RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

वर्ष : 27 | अंक : 97 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 29 मार्च, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

24 घंटों में 15 भूकंप के झटके, म्यांमार में तबाही

भूकंप में 1 हजार से ज्यादा लोगों की मौत, हर जगह तबाही का मंजर, 2 हजार से ज्यादा लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार और थाईलैंड में पिछले 24 घंटे में 15 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। म्यांमार में भूकंप से भारी तबाही हुई है। यहां मरने वालों का आंकड़ा 1 हजार से ऊपर पहुंच गया है। जबकि 2 हजार से ज्यादा लोग घायल हैं और कई लोग अभी भी लापता हैं। शुक्रवार 11.54 पर एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए।

म्यांमार में शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद से रह-रहकर झटके महसूस हो रहे हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, शुक्रवार रात 11:56 बजे (स्थानीय समयानुसार) म्यांमार में रिक्टर पैमाने पर 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, नवीनतम भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिससे इसके बाद झटके आने की आशंका बनी हुई है।

म्यांमार और पड़ोसी थाईलैंड में आए क्रमश: 7.7 और 7.2 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में इमारतें, पुल और बौद्ध मोनेस्ट्री नष्ट हो गए. म्यांमार में कम से कम 1002 लोग मारे गए, जबकि 2376 लोग घायल हैं। तबाही का मंजर तस्वीरें दो सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों से आई हैं जहां भारी नुकसान दिखाई पड़ रहा है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जहां एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत भूकंप के झटकों से ढह गई।

भूकंप के कारण हुई मौतों, घायलों और नुकसान का अभी पूरी तरह आकलन नहीं हो पाया है - खास तौर पर म्यांमार में, जो दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है. यह देश गृहयुद्ध में उलझा हुआ है, और यहां सैन्य शासन होने के कारण सूचना पर कड़ा नियंत्रण है. म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख सीनियर (शेष पृष्ठ-4 पर)

भारत का ऑपरेशन ब्रह्मा

भारत ने सहायता के तौर पर म्यांमार को 15 टन राहत सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर

जानकारी साझा की है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत भारतीय वायुसेना (आईएएफ) सी-130जे विमान में सवार होकर म्यांमार को राहत सामग्री भेजी गई। राहत पैकेज में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, खाने के लिए तैयार भोजन, वाटर प्यूरीफायर, हाइजीन किट, सोलर लैंप, जनरेटर सेट और पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स, सीरिंज, दस्ताने और पट्टियां जैसी आवश्यक चीजें शामिल हैं। गाजियाबाद के हिंडन एयरवेज से भी राहत सामग्री भेजी गई है।

एयरफोर्स के इंजीनियर की गोली मारकर हत्या

आवाज देकर खिड़की खुलवाई और मारी गोली

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एयरफोर्स के सिविल इंजीनियर एसएन मिश्रा (51) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात शनिवार तड़के पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के बमरौली इलाके में हुई। अज्ञात हमलावर ने उनके सरकारी बंगले के लॉन की तरफ से आवाज देकर खिड़की खुलवाई और गोली चला दी। अति सुरक्षित समझे जाने वाले इलाके में एयरपोर्ट के इंजीनियर की हत्या से सनसनी फैल गई है।

पुलिस के मुताबिक सुबह करीब 3 बजे किसी ने उनके बंगले की तरफ से आवाज दी। जैसे ही एसएन मिश्रा ने खिड़की खोली, हमलावर ने सीधे सीने में गोली मार दी और फरार हो गया. गोली की आवाज सुनकर परिवार के लोग दौड़े और तुरंत उन्हें आर्मी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस का कहना है कि यह हत्या किसी रंजिश के कारण की गई हो सकती है. पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आस-पास के लोगों से पूछताछ कर रही है। एसएन मिश्रा की पत्नी और बेटे ने पुलिस को बताया कि हमलावर ने आवाज देकर खिड़की खुलवाई और तुरंत गोली मार दी।

उनका कहना है कि किसी दुश्मनी का शक नहीं था, लेकिन पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

सुकमा में 16 नक्सली ढेर

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा और दंतेवाड़ा बॉर्डर एरिया पर नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच लगातार फायरिंग हो रही है। जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ में माओवादियों को भारी नुकसान हुआ है और 16 नक्सली ढेर कर दिए गए हैं। सुरक्षाबलों द्वारा क्षेत्र में मुठभेड़ और सर्च ऑपरेशन जारी है।

सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 16 नक्सलियों को मार गिराया है और दो जवानों को मामूली चोटें आई हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

घर से चुन्नी लेकर निकला सोम बाजार, पार्क में लगा ली फांसी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-45 सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने पास के पार्क में पेड़ से फंदा लगाकर फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर-39 पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में स्थित स्टेलर ग्रीन पार्क के पास एक पेड़ में दुपट्टे की सहायता से फांसी लगाकर एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस को मौके से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मृतक के परिजन मौके पर मौजूद है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ब्राह्मण महासभा ने किया सांसद का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने बलिया से समाजवादी पार्टी से सांसद चुने गए सनातन पांडे का स्वागत किया। सांसद सनातन पांडे ग्रेटर नोएडा में सपा जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह के आवास पर आए हुए थे।

स्वागत कार्यक्रम महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा के नेतृत्व में हुआ। प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा, आर वी नॉर्थलैंड स्कूल के निदेशक पुनीत शर्मा व नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के पूर्व महासचिव पंडित अशोक शर्मा सहित अन्य लोगों ने सांसद को पगड़ी पहनाकर भगवान परशुराम की मूर्ति भेंट की। इस दौरान ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने उन्हें भगवान परशुराम का प्रतीक चिन्ह फरसा और सुंदरकांड की प्रति भी भेंट की। इस दौरान सांसद सनातन पांडे ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी एक झंडे के नीचे आकर काम करें। (शेष पृष्ठ-4 पर)

कंपनी के खाते से करोड़ों रूपये की साइबर धोखाधड़ी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा स्थित एनएलबी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते से बड़ी धोखाधड़ी की गई है। ठगों ने कंपनी के खाते से 2.54 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी की है। साइबर ठगों ने बड़े ही शातिराना तरीके से कंपनी का अकाउंट खाली कर दिया। जानकारी के मुताबिक कंपनी की निदेशक रीता अलग को एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें उनके सह-निदेशक निखिल आनंद के नाम से एक नया संपर्क नंबर होने का दावा किया गया था। साइबर ठग ने खुद को निखिल आनंद बताकर किसी प्रोजेक्ट के लिए रीता अलग से करोड़ों रूपये ठग लिए यह पूरा मामला 26 मार्च 2025 का है जब रीता को एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया, जिसमें खुद को निखिल आनंद बताया गया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

किसानों के दर्जनों बिटोरों में लगी आग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के डूंगरपुर रीलका गांव के खेतों समीप रखे किसानों के दर्जनों बिटोरों में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण खेतों की तरफ भागे। कुछ लोगों ने इस घटना की जानकारी थाना प्रभारी तथा फायर ब्रिगेड की टीम को दी।

ग्रामीणों व फायर ब्रिगेड की टीम ने संयुक्त रूप से काफी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि खेतों तक आग नहीं पहुंच पायी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

यातायात पुलिस ने काटे 6 हजार चालान, 111 वाहन सीज

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त यातायात के पर्यवेक्षण में अवैध ऑटो व ई-रिक्शा के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा चलाये गये

यातायात पुलिस द्वारा अभियान चलाकर विभिन्न स्थानों पर चैकिंग कर मैनुअल 3364 चालान एवं ISTMS कैमरों द्वारा 2881 वाहनों के कुल 6245 ई-चालान और 111 वाहनों के विरुद्ध सीज की कार्यवाही की गई। उत्तर प्रदेश में आगामी 1 अप्रैल से विशेष अभियान के अंतर्गत बिना हेलमेट-2499,ऑटो/ई-रिक्शा-1046 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई। विशेष अभियान के तहत फिटनेस समाप्त/बिना नंबर प्लेट ऑटो/ई-रिक्शा-70, 06 डंफर वाहन सीज किए गए।

राजस्थान कल्याण परिषद के चुनाव सम्पन्न, दिनेश महेश्वरी बने अध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। शहर की सामाजिक संस्था राजस्थान कल्याण परिषद के

चुनाव में 21 सदस्यों को सर्वसम्मति से चुन लिया गया है। संस्था के अध्यक्ष के तौर पर दिनेश महेश्वरी का चयन किया गया है।

राजस्थान कल्याण परिषद की चुनाव समिति की बैठक चुनाव अधिकारी के सी गुप्ता की अध्यक्षता में सागर रत्ना सैक्टर 18 में आयोजित हुई। चुनाव अधिकारी के सी गुप्ता ने घोषणा करते हुए बताया कि राजस्थान कल्याण परिषद की वार्षिक कार्यकारिणी 2025-26 के 21 सदस्यों के लिए 21 सदस्यों ने ही नामांकन किया तथा इन्हीं 21 सदस्यों ने सर्वसम्मति से दिनेश महेश्वरी को अध्यक्ष, रंजू माथुर को सचिव एवं अनिल जैन को कोषाध्यक्ष चुना गया है। निर्वाचित अध्यक्ष दिनेश महेश्वरी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो सामाजिक जिम्मेदारी उन्हें मिली है उसको वो अपनी टीम के साथ पूर्ण कर्तव्यों के साथ निर्वाह करेंगे। सभी सदस्यों ने चुनाव अधिकारी के सी गुप्ता का शांति पूर्ण एवं निष्पक्षता के साथ चुनवा संपन्न कराने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

सुरक्षा कवच

हरियाणा विधानसभा के मौजूदा सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी पहल हुई हैं, जो एक लोककल्याणकारी सरकार की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करती हैं। इसमें किसानों को नकली इनपुट से सुरक्षा कवच देना भी सराहनीय कदम रहा है। वहीं हाल ही में सुनहरे भविष्य की आकांक्षा लेकर विदेश जाने वाले युवाओं की हितरक्षा में उठाये गए कदम निश्चय ही सराहनीय हैं। हरियाणा के मौजूदा विधानसभा सत्र में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वक्त की सख्त जरूरत भी थी। ट्रैवल एजेंसियों के पंजीकरण को अनिवार्य करना और उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान उम्मीद जगाता है कि अब विदेश जाने वाले लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा। इस कानून का उल्लंघन करने पर सात साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार ने अपने नागरिकों को धोखे और मानव तस्करी से बचाने के लिये एक आवश्यक कदम उठाया है। लगातार होने वाले आव्रजन घोटालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर, इस कानून की लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। लेकिन जहां सख्त कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन इस दिशा में सफलता सुनिश्चित करेगा, वहीं इसके लिये जन जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। साथ ही प्रभावी प्रवर्तन के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लोग अनधिकृत एजेंटों के चक्रव्यूह में न फंसें। वास्तव में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम तो है, लेकिन इसे बेरोजगारी को दूर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा भी होना चाहिए। यदि हम राज्य के युवाओं के लिये अपने देश में बेहतर रोजगार के अवसर पैदा कर सकें तो युवाओं को फिर अपने सपने पूरे करने के लिये विदेश जाने की जरूरत ही नहीं होगी। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति अपना घर-परिवार, अपना धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश छोड़कर परदेश नहीं जाना चाहता। लेकिन जब आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो ही वह मजबूरी में विदेश जाने की लालसा रखता है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि बेहतर रोजगार की स्थितियां हमारे शैक्षिक वातावरण पर भी निर्भर करती हैं। यदि हम परंपरागत शिक्षा से इतर रोजगार व कौशल विकास की शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं तो स्थिति बदल सकती है। इसके लिये जरूरी है कि राज्य में रोजगारपरक शिक्षा के अनुकूल वातावरण बनाया जाए। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की सख्त जरूरत है। उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा सत्र में राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिये उत्साहजनक पहल की जाएगी। इस मुद्दे को प्राथमिकताओं में शामिल करके इस बार गंभीर बहस होगी। दरअसल, हाल के दिनों में कई स्कूलों के भवनों की स्थिति व सुरक्षा आदि को लेकर अभिभावक चिंता जताते रहे हैं। हर अभिभावक चाहता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर साफ-सफाई, शौचालयों और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें। दरअसल, देखने में आया है कि कई ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में छात्रों की संख्या जितनी अधिकता में है, उस अनुपात में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार का ध्यान तो खींचा, लेकिन अन्य राजनीतिक मुद्दों में उलझाव के चलते शिक्षा के मुद्दे पर वैसे गंभीर बहस नहीं हो पायी , जैसी अपेक्षित थी। वैसे सरकार की तरफ से इस बाबत प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बजट आवंटन और भविष्य में सुधार का आश्वासन तो दिया गया, लेकिन इन वायदों का हकीकत में बदलना भी उतना ही जरूरी है। ये नौकरशाही का भी दायित्व बनता है कि छात्र सुरक्षित परिस्थितियों में अध्यापन करें। निस्संदेह, नौकरशाही की अक्षमताएं प्रगति के मार्ग में बाधा बनती हैं। जरूरत इस बात की भी है कि हमारी शिक्षा वक्त की जरूरतों के साथ जुड़ी हो। ताकि छात्र विदेशों में रोजगार तलाशने की बजाय अपने रोजगार खुद सृजित कर सकें। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन होगा। शिक्षा व्यवस्था छात्र छात्राओं की मौलिक प्रतिभा का न केवल विकास करे, बल्कि उसका संवर्धन भी करे। भारत युवाओं का देश है। युवाओं की क्षमताओं व योग्यता का न्यायसंगत उपयोग होना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि असुरों को मदिरा और शिवजी को विष देकर तुमने स्वयं लक्ष्मी और सुंदर (कौस्तुभ) मणि ले ली। तुम बड़े धोखेबाज और मतलबी हो। सदा कपट का व्यवहार करते हो॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

बोले मधुर बचन सुरसाईं। मुनि कहँ चले बिकल की नाईं॥
सुनत बचन उपजा अति क्रोधा। माया बस न रहा मन बोधा॥

देवताओं के स्वामी भगवान ने मीठी वाणी में कहा- हे मुनि! व्याकुल की तरह कहाँ चले ? ये शब्द सुनते ही नारद को बड़ा क्रोध आया, माया के वशीभूत होने के कारण मन में चेत नहीं रहा॥

पर संपदा सकहु नहिं देखी। तुम्हरें इरिषा कपट बिसेषी॥
मथत सिंधु रुद्रहि बौरायहु। सुरन्ह प्रेरि बिष पान करायहु॥

(मुनि ने कहा-) तुम दूसरों की सम्पदा नहीं देख सकते, तुम्हारे ईर्ष्या और कपट बहुत है। समुद्र मथते समय तुमने शिवजी को बावला बना दिया और देवताओं को प्रेरित करके उन्हें विषपान कराया॥

दो0-असुर सुरा बिष संकरहि आपु रमा मनि चारु।
स्वारथ साधक कुटिल तुम्ह सदा कपट ब्यवहारु॥

असुरों को मदिरा और शिवजी को विष देकर तुमने स्वयं लक्ष्मी और सुंदर (कौस्तुभ) मणि ले ली। तुम बड़े धोखेबाज और मतलबी हो। सदा कपट का व्यवहार करते हो॥

(क्रमशः...)

अगले साल तक कैसे खत्म हो पाएगा लाल आतंक

इसे संयोग कहें या कुछ और, बीते 21 मार्च को जब छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के हाथों तीस नक्सली मारे गए, उसी वक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संसद में नक्सलवाद के सफाए का ऐलान कर रहे थे। अमित शाह का कहना था कि अगले 375 दिनों में नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। अगर तारीखों के हिसाब से कहें तो केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक कभी लाल आतंक के नाम से कुख्यात रहे नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच नक्सलवाद आखिरी सांसे ले रहा है और जल्द ही आतंक का पर्याय रही ये विचारधारा अतीत बन जाएगी।

साल 2025 के अभी तीन महीने ही गुजरे हैं, लेकिन इस बीच नक्सलवाद को लेकर जो आंकड़े सामने हैं, उनसे तो लगता यही है कि नक्सलवाद अब गिने-चुने दिनों की ही बात है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के आंकड़ों पर भरोसा करें तो बीते तीन महीनों में ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 119 नक्सली मारे जा चुके हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को यह कामयाबी सिर्फ 10 मुठभेड़ों में ही मिली हैं। बीते साल यानी 2024 में मुठभेड़ों में 239 नक्सली मारे गए थे। यानी सिर्फ सवा साल की अवधि में ही 358 नक्सली मारे जा चुके हैं। इतने नक्सलियों का मारे जाने और भारी संख्या में नक्सलियों के आत्म समर्पण करने का संकेत साफ है कि अब नक्सलियों की कमर टूटती जा रही है। शायद यही वजह है कि अमित शाह संसद में पूरे आत्मविश्वास के साथ ऐलान कर रहे हैं कि नक्सलवाद देश में आखिरी सांसे गिन रहा है।

साल 2010 के आंकड़ों के हिसाब से देश के तकरीबन छठवें हिस्से में नक्सलवाद का प्रभाव था। झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक नक्सलवाद फैला हुआ था। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के हिसाब से तब देश के 96 जिलों में आतंकवाद का खूनी पंजा फैला हुआ था। यूं तो हर सरकार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती रही है, लेकिन इसमें तेजी केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद आई। नक्सलवाद को ज्यादातर सरकारें कानून और व्यवस्था का मामला मानती रहीं, उसके जिम्मेदार सामाजिक कार्यों को किनारे रखा जाता रहा। मोदी सरकार ने इसे कानून और व्यवस्था का मामला तो माना, लेकिन उसके साथ ही इसे सामाजिक नजरिए से भी देखना शुरू किया।

नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल

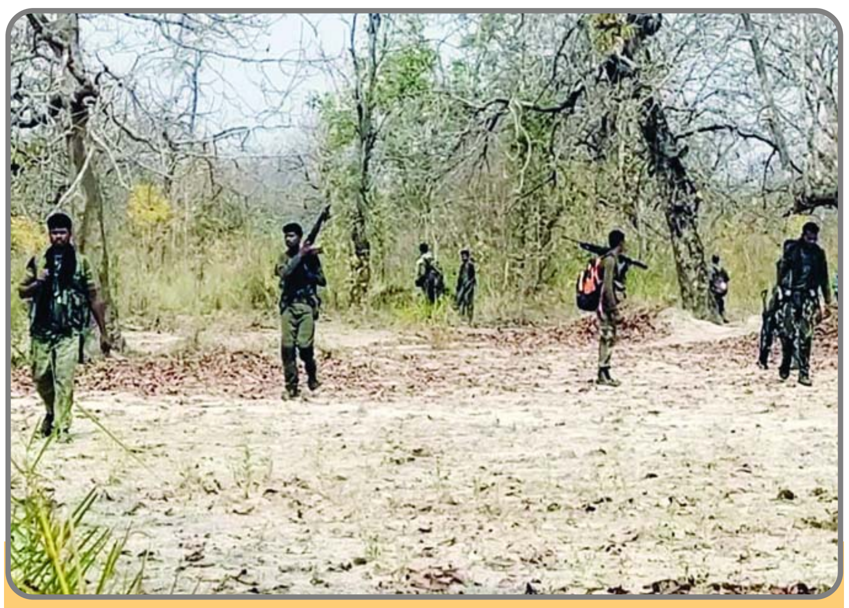

नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई।

प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। सड़कों और रेल लाइन की पहुंच नक्सल प्रभावित इलाकों में बढ़ाने की शुरूआत हुई। बीते आठ वर्षों में 10718 करोड़ की लागत से नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 9356 किमी सड़कों का निर्माण किया गया। इन इलाकों में तैनात केंद्रीय बलों तैनात केंद्रीय बलों द्वारा स्थानीय आबादी के लिए जहां स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने शुरू हुए, वहीं उन्हें मुफ्त में जरूरी दवाएं दी जाने लगीं। इसी तरह उन इलाकों में पेयजल सुविधा बढ़ाने, सोलर लाइट की सुविधा देने के साथ ही खेती के उपकरण और बेहतर बीच आदि देने की कोशिश तेज हुई। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से अब तक इन मदों में नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 140 करोड़ रुपये के काम किए जा चुके हैं। डाक विभाग ने 90 नक्सलप्रभावत प्रभावित जिलों में, तकरीबन हर तीन किलोमीटर पर सिर्फ आठ वर्षों में ही 4903 नए डाकघर खोले हैं। इसी तरह अप्रैल-2015 से लेकर अब तक 30 सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों में 1258 नई बैंक शाखाएं और 1348 एटीएम लगाए गए हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में संचार की सुविधा बढ़ाने के लिए पहले चरण में 4080 करोड़ रूपये की लागत से 2343 मोबाइल टावर लगाए गए तो दूसरे चरण में 2210 करोड़ से 2542 मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं। इन इलाकों में 245 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बनाने की तैयारी है,जिनमें 121 काम शुरू कर चुके हैं।

इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि नक्सल उग्रवाद ऐसे क्षेत्रो में तेजी से पनपा, जहां गरीबी ने जड़ें जमा रखी थी। नक्सली विचार प्रभवित समूहों ने इन इलाकों के लोगों के असंतोष को खाद पानी के रूप में इस्तेमाल किया और इस तरह उग्रवाद को बढ़ावा मिला। इन समूहों को स्थानीय समर्थन मिलने के कारण सुरक्षा संस्थाओ को अपना काम करने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, परन्तु 2014 के बाद हालात बदले।

दूसरी तरफ उग्रवादी समूहों को हो रही फंडिंग पर रोक लगाने के लिए चौकसी बढ़ाई गई। इसके तहत नक्सल प्रभावित राज्यों ने जहां 22 करोड़ की संपत्ति जब्त की,वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने तीन और एनआईए ने पांच करोड़ की संपत्ति जब्त की। नक्सली हिंसा की जांच के लिए एनआईए में अलग से एक सेक्शन बनाया गया। जिसे अब तक 55 मामलों की जांच सौंपी जा चुकी है। इसी तरह विशेष कार्रवाई के लिए विशेषज्ञ सुरक्षा बलों पर जोर दिया गया और सूचनाओं को साझा करने का नेटवर्क विकसित किया गया। नक्सलरोधी ऑपरेशन के लिए केंद्रीय और राज्यों विशेष ऑपरेशन टीमें बनाई गईं। सुरक्षा बलों और नक्सलियों पर निगाह के लिए तकनीक को बढ़ावा भी दिया गया। इसके तहत लोकेशन मोबाइल फोन और दूसरी तकनीक सुरक्षा बलों को मुहैया कराई गईं। द्रोण कैमरों से नक्सलियों पर निगाहबानी शुरू हुई और कैजुअल्टी या विशेष ऑपरेशन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई।

शायद यही वजह रही कि संसद में नक्सल ऑपरेशन को लेकर गृहमंत्री अमित शाह बेहद आत्मविश्वास में नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रमुख जगहों पर सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई %कोबरा% ही माओवादियों से लोहा ले रही है। इन बलों ने ऐसी रणनीति बनाई है, जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प, %सरेंडर% करो या %गोली% खाओ, बचे हैं। अब ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है, जहां सुरक्षा बलों की पहुंच न हो। वे महज 48 घंटे में %फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस% स्थापित कर आगे बढ़ रहे हैं। अब नक्सलियों के लिए जंगलों में अधिक दूरी तक पीछे भागना भी संभव नहीं हो रहा। उनकी सप्लाई चेन कट चुकी है। नक्सलियों की नई भर्ती तो पूरी तरह बंद हो चुकी है। इतना ही नहीं, घने जंगलों में स्थित नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर भी तबाह किए जा रहे हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में अमन-चैन हो और बिना खून बहाए ही लोग अपनी शिकायत लोकतांत्रिक ढंग से रख सकें। इसका विरोध शायद ही कोई करेगा। नक्सलवाद का आतंक खत्म हो, इसका स्वागत ही होना चाहिए। लेकिन व्यवस्था को यह भी देखना होगा कि भविष्य में ऐसे हालात फिर ना बनें, जिससे फिर से नक्सलवाद को बढ़ने को मौका मिले। क्योंकि विचार केंद्रित एक्शन भले ही रूक जाए, विचार कभी नहीं मरते।

- उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फ़ैसले पर गंभीर नाराजगी दर्शायी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फ़ैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया।

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का 'पीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है।' महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए।

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है।

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है। जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

चैत्र अमावस्या | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
विलासिता संबंधित वस्तुओं में वृद्धि। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार अच्छा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य और प्रेम, संतान मध्यम रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कुटुंबों में वृद्धि होगी। धन का आवक बढ़ेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चिंताकरी सृष्टि का सृजन हो रहा है। मन व्यथित रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी यात्रा का योग बनेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। नए स्रोत बनेंगे पैसे रुपए के।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, संतान, व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। प्रेम, संतान अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्य विघ्न बाधा के साथ संपन्न हो जाएगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम संतान मध्यम।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करेंगे। मानसिक स्वास्थ्य थोड़ा भावुकता में रहेगा। प्रेम, संतान लगभग ठीक है।

प्रदेश सरकार के 8 साल पूर्ण गांव-गली में मन रहा उत्सव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार के 8 साल के कार्यकाल पूर्ण होने पर पार्टी कार्यकर्ता गांव, गली, शहर के सेक्टरों में उत्सव मनाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंच रहे हैं।

यह बात भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रणीत भाटी ने कही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का 8 साल का कार्यकाल बेमिसाल रहा है। इस 8 साल के कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश की तस्वीर बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आर्थिक मजबूती भी आई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जो वह लेकर जनता के बीच में जाएं उन्होंने कहा कि आज राम मंदिर से लेकर युवाओं को रोजगार मिलने की प्रक्रिया जो चल रही है वह स्वागत योग्य है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह से उत्तर प्रदेश को मजबूती प्रदान किया है उसे जनता देख रही है और सरकार के कामों को लेकर 2027 में होने जा रहे उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा चुनावी समर में उतारेगी।

उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से कहा कि सभी कार्यकर्ता पार्टी के पदाधिकारी प्रदेश सरकार के 8 साल के कार्यकाल को लेकर जनता के बीच में जाएं और उन्हें सरकार के उपलब्धियां को बारे में बताएं।

भारतीय नववर्ष स्वागत उत्सव उमंग मेला का हुआ भव्य शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क के प्रांगण में भारतीय नववर्ष स्वागत मेला उमंग 2082 का शुभारंभ मेला अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने नारियल फोड़कर किया।

पहले दिन रंगोली प्रतियोगिता में 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें आरती गुप्ता प्रथम, वंश गुप्ता द्वितीय एवं श्वेता पांडे तृतीय रहे। दूसरी प्रतियोगिता मिले सुर मेरा तुम्हारा में कुल 48 प्रतियोगियों ने भाग लिया ।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र संपर्क प्रमुख हरीश रौतेला ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से परिचित करने का सुंदर प्रयास है। भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होता है और इसी दिन स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा आर्य समाज की स्थापना की गई थी तथा संघ संस्थापक डॉक्टर केशव बलीराम हेडगेवार की जन्मतिथि भी इसी दिन है।

कार्यक्रम में सौरभ बंसल, डॉ नीरज कौशिक, विवेक अरोरा गगन मिश्रा, राजेंद्र सोनी, आनंद मिश्रा तथा सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुशासन एवं रोजगार देने में अग्रणी है सरकार : गुप्ता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रदेश सरकार के 8 साल बेमिसाल सेवा सुशासन को लेकर एक पत्रकार वार्ता दादरी ब्लॉक पर आयोजित की मुख्य वक्ता के रूप मे जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा कि हमारी सरकार में प्रदेश में गाँवों से लेकर शहर तक विकास की जन कल्याणकारी योजनाओं से कार्य किये जा रहें है।

24 मार्च से 14 अप्रैल तक सरकार की उपलब्धियों के साथ पार्टी स्थापना 6 अप्रैल दिवस और 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती तक निरन्तर कार्य करते हुए जनता के बीच जायेगी और उनके कार्यों में अपनी सहभागिता निभाते हुए हम सब कार्यकर्ता करेंगे दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर ने वार्ता में बताया कि देश में नरेन्द्र मोदी जी सरकार जन जन के लिये जन कल्याणकारी योजनाएँ चला रही है जिनको प्रदेश सरकार के मुखिया आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार जन जन तक पहुँचाकर जन जन तक के कार्य कर रही है। सुशासन और विकास और रोज़गार देने में सबसे अग्रणी सरकार है। इन 8 वर्षों में सरकार के द्वारा ऐतिहासिक राम मंदिर का निर्वाण विश्व का सबसे भव्य महाकुंभ का आयोजन प्रदेश में सुदृढ़ क़ानून व्यवस्था आत्म निर्भर होते हुए युवा शुल्क चिकित्सा शिक्षा के साथ बढ़ता उत्तर प्रदेश बनता हुआ उत्तम प्रदेश है जिला अध्यक्ष भाजपा श्री अभिषेक शर्मा जी ने कहा प्रदेश सरकार के 8 साल बेमिसाल रहें आज प्रदेश सेवा सुशासन और सुरक्षा और विकास के रहे है 2017 से पहले जनता भ्रष्टाचार अराजकता लूट अपहरण की घटनाओं से प्रदेश त्रस्त था आज प्रदेश देश में विकास का ग्रोथ इंजन बनकर काम कर रहा है। आज गाँव नगर शहरों का विकास विश्व स्तरीय हाईवेज़ एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट अपने ज़ेवर में बनकर लगभग तैयार है।

इस अवसर पर मुख्यरूप से ब्लॉक प्रमुख बिजेंद्र भाटी जिला महामंत्री योगेश चौधरी, ज़िला मीडिया कर्मवीर आर्य मंडल अध्यक्ष राजीव सिंघल पंकज रावल सचिन शर्मा अभिषेक कौशिक भाजपा नेता अरुण शर्मा, ओमकार भाटी, अखिलेश नागर, सिंगा पंडित अतुल पंडित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महीनों से चल रहा धरना, किसानों को न्याय नहीं

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-142 के शहदरा गांव में मार्केट तोड़े जाने के विरोध में किसान गत कई महीने से धरने पर बैठे हैं। लेकिन नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी मामले के निस्तारण करने में पूरी तरह से अक्षम साबित हो रहे हैं।

बताते चलें कि सेक्टर 142 के शहदरा गांव में हातम सिंह भाटी का की मार्केट काफी समय से पुश्तैनी जमीन पर बनी थी नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी बिना सोचे समझे मार्केट पर बुलडोजर चलवा दिए। जबकि मार्केट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का स्थगन आदेश भी था। जब मार्केट तोड़ी गई तो इसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही धरना देना शुरू कर दिया। धरना करीब 10 महीने से ऊपर हो गया लेकिन अभी तक कोई भी उचित कार्रवाई नहीं हुई ना ही पीड़ित को नया मिल पाया है।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी केवल गुमराह करने में लगे हुए हैं खबर लिखे जाने तक आज भी वहां पर धरना जारी है।

अधिवक्ताओं ने किया कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। न्यायालय सूरजपुर गौतम बुध नगर में अधिवक्ताओं द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला का स्वागत जिला न्यायालय के बार भवन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेन्द्र भाटी एडवोकेट तथा जिला बार एसोसिएशन के सचिव अजीत नागर ने किया।

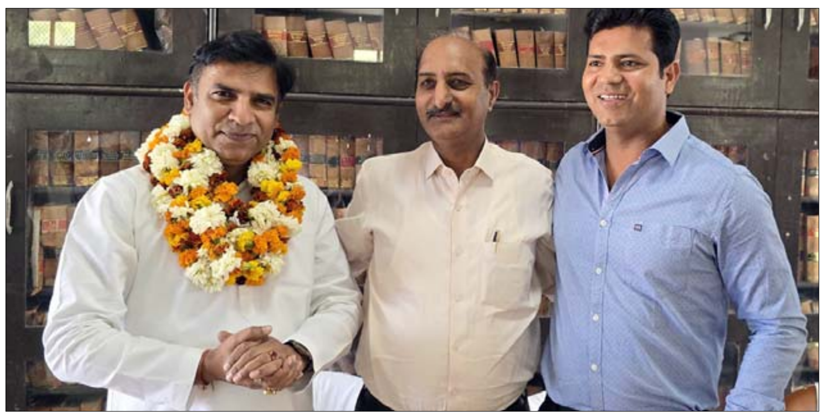

स्वागत कार्यक्रम में अपने उदगार व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा की मौजूदा समय में जो राजनीतिक व्यवस्थाएं हैं इनमे बौद्धिक चिंतकों व विचारकों का शामिल होना बहुत जरूरी है, अधिवक्ता बिरादरी हमारे देश में बेहद जागरूक और चिंतन करने वाली व्यवस्था है। विचारधारा के आधार पर अथवा अपनी समझ के अनुसार समसामयिक व्यवस्थाओं के साथ अथवा विरोध में यदि आप खड़े होते हैं तो इससे समाज को राजनीति के भीतर सामाजिक मान्यताओं को बल मिलता है तथा आम आदमी के भीतर भी राजनीति को और बेहतर तरीके से समझने की सही-गलत के तराजू में आकलन की इच्छाशक्ति जागृत होती है, मेरा आह्वान है आप सभी अधिवक्ता बंधुओ से किसी न किसी रूप में आप जनपद गौतम बुद्ध नगर में जो भी राजनीतिक व्यवस्थाएं हैं अपने विचार और पसंद के अनुसार उसमें शामिल हो और कांग्रेस पार्टी का जिले का मुखिया होने के नाते मेरा तो यह आह्वान है आप सभी से कि चाहे तो आप कांग्रेस पार्टी के भीतर संगठन के माध्यम से अथवा बाहर से वैचारिक समझ अनुसार कांग्रेस पार्टी का समर्थन करें आप जैसे गुणी और संविधान के रक्षक कांग्रेस पार्टी के लिए मजबूत आधार स्तंभ हो सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेन्द्र भाटी एडवोकेट ने कहा कि बीते 25 वर्षों से जनपद बार ने सभी राजनैतिक विचारों हमेशा स्वागत किया है, यहाँ उपस्थित अधिवक्ता बंधू भी अलग-अलग राजनितिक विचारधारओं और दलों से जुडे हैं मगर इस प्रांगण के भीतर हम सभी अधिवक्ता बगैर किसी पूर्वाग्रह के सभी राजनैतिक मान्यताओं, विचारों नेताओं को अपनी बात कहने के लिए उचित मंच प्रदान करते आये हैं।

स्वागत कार्यक्रम में जनपद न्यायालय के अधिवक्ता पूर्व बार अध्यतक्ष योगेंदर भाटी, सुरेश बैसोया, कपिल भाटी, प्रवेश नागर, सौरभ भाटी, सचिन भाटी, ओपेन्दर भाटी, शोभाराम चंदीला, सुजात अली, सुरेंदर बैसोया, कृष्ण भाटी,सुशील मावी, सतीश भाटी,अनुज नागर, विनोद भाटी, प्रवीण बैंसला, मोनू शर्मा, अशोक नागर, अमित भाटी, संदीप भाटी, कल्याण नागर, पवन भाटी, प्रवीण वत्स, योगेश अवाना, राजीव चेची, नितिन भाटी, रविदत्त कौशिक, राधे खटाना, अनिल मवि. नीरज लोहिया, अमित भाटी, के0 के0 भाटी, अभिषेक शर्मा, सागर शर्मा, विजय बैंसला, शशिकांत भाटी, रोहित तौंगड, विपिन शर्मा, सचिन शर्मा, गुलशन शर्मा, अंकित भाटी, वीरेंदर नागर तथा स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी की ओर से जिला संगठन प्रभारी महासचिव मुकेश शर्मा जिला उपाध्यक्ष निशा शर्मा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष धर्म सिंह वाल्मीकि जिला सचिव गौतम सिंह जिला सचिव सुबोध भट्ट जिला सचिव रमेश वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

यमुना प्राधिकरण मे प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार की अध्यक्षता में संयुक्त किसान मोर्चा की हाई लेवल मीटिंग हुई।

यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण क्षेत्र में घर, फैक्टरी बनाना हुआ महंगा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन खरीदना अब महंगा हो गया है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की 84 बोर्ड बैठक में एक्सप्रेस के आसपास आवासीय, वाणिज्यिक, संस्थागत और औद्योगिक के आवंटन की दरों में वृद्धि कर दी गई है।

शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बोर्डबैठक प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरूण वीर सिंह व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में यीडा के वित्त वर्ष-2025-26 के लिए विभिन्न परिसंपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि का प्रस्ताव पास किया गया। नई दरों के मुताबिक अब आवासीय दर 25900 से बढ़ाकर 35 हजार कर दी गयी है। इसके साथ ही वाणिज्य में (सेक्टर प्लॉन व्यवसायिक) की दरें 51800 से 70 हजार, (मास्टर प्लॉन व्यवसायिक) की दरें 62200 से 84 हजार कर दी गई है।

बोर्ड बैठक में संस्थागत, सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कॉरपोरेट ऑफिस, औद्योगिक वेयर हाउसिंग, लॉजिस्टक पार्क, फ्रंट काम्पलेक्स, रिक्रीशनलग्रीन्स, गोल्फ कोर्स, रेस कोर्स व ट्रांसपोर्ट के लिए आवंटन किए जाने वाली दरों में वृद्धि की गई है। इसके साथ ही मेडिकल डिवाइस पार्क की आवंटन दरें भी बढ़ाई गई हैं।

बोर्ड बैठक में फैसला लिया गया कि सभी बढ़ाई गई दरें 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी होंगी। ग्रुप हाउसिंग व कॉर्पोरेट ऑफिस की दरें 1.5 गुना की गई हैं।

जनसंपर्क कर भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद नीलम सोनकर ने नोएडा किसान मोर्चा ओमबीर अवाना द्वारा सेक्टर 26 ओर ग्राम सरफाबाद में जनसंपर्क कर सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया एवं सरकार के पत्रक वितरित किए।

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित कर रही है और इस अभियान को 8 वर्ष की उपलब्धियां का उत्सव अभियान कहा जाएगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद नीलम सोनकर ने सेक्टर 26 जनसंपर्क में कहा कि कार्यक्रमों की इसी श्रृंखला में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन जिला स्तर पर आयोजित किया जाएगा तथा महिला जनसंपर्क अभियान भी चलाया जाएगा।

जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि विभिन्न अभियानों के माध्यम से पार्टी लाभार्थी वर्ग से संपर्क कर, चौपाल इत्यादि कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेश सरकार की उपलब्धियां से सभी को अवगत कराएगी।

इस मौके पर कार्यक्रम जिला संयोजक जिला महामंत्री उमेश त्यागी एवं सहसंयोजक जिला उपाध्यक्ष महेश अवाना, चंदगीराम यादव, गणेश जाटव, डिम्पल आनन्द, मनीष शर्मा, संजय बाली, गिरिजा सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता, सुशील शर्मा, विनोद शर्मा,चमन अवाना,एस.पी चमोली, उमेश यादव, ओमवीर अवाना, प्रज्ञा पाठक,राजिंदर अवान,पूनम सिंह,घनश्याम यादव,लखन यादव, शशिधर उपाध्याय, प्रदीप चौहान, रामकिशन यादव, गौतम शर्मा, दिनबंधु, नीरज चौधरी, गोपाल गौड़, रवि यादव, मनोज चौहान, इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हाई पावर कमेटी की सिफारिशें जल्द होंगी लागू : प्रमुख सचिव

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार

किसान संघर्ष मोर्चा की प्रमुख सचिव से वार्ता

को किसान संघर्ष मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख सचिव (औद्योगिक) आलोक कुमार के साथ वार्ता की। कई मुद्दों पर वार्ता सार्थक रहीं। इस दौरान प्रमुख सचिव ने कहा कि किसानों की सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। प्रदेश सरकार समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत है।

यमुना प्राधिकरण (यीडा) के कार्यालय में किसान संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधियों ने प्रमुख सचिव (औद्योगिक) के साथ वार्ता की। वार्ता के दौरान प्रमुख सचिव ने हाई पावर कमेटी की सिफारिशों को शीघ्र लागू करने का आश्वासन दिया। जिसमें आबादी के मामलों का शीघ्र निस्तारण प्रमुख रूप से शामिल रहा। वहीं नए भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने एवं 10 फीसदी प्लॉट के मुद्दे पर उन्होंने कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया। इस पर किसान संघर्ष मोर्चा के नेताओं ने मुख्य सचिव स्तर पर त्वरित वार्ता कराने की मांग रखी।

प्रमुख सचिव से वार्ता के दौरान हाई पावर कमेटी की सिफारिशों पर सहमति बनी। प्रमुख सचिव ने आबादी निस्तारण से जुड़ी सिफारिशों को तुरंत लागू करने का भरोसा दिया। 10 फीसदी प्लॉट के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके स्तर पर इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। प्रमुख सचिव नए भूमि अधिग्रहण कानून पर भी कोई ठोस जवाब नहीं दिया। इस मुद्दे पर वे कोई निश्चित आश्वासन देने में असमर्थ रहे।

प्रमुख सचिव से वार्ता के बाद भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने पत्रकारों को वार्ता के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रमुख सचिव सिर्फ हाई पावर कमेटी की सिफारिशों पर ही सहमति जता सके। उन्होंने 10 फीसदी प्लॉट और नए कानून को लेकर अपने स्तर पर समाधान करने में असमर्थता जाहिर की।

किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा कि प्रमुख सचिव ने 10 फीसदी प्लॉट और नए कानून पर अपनी असमर्थता जाहिर कर दी है।

अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने कहा कि हाई पावर कमेटी किसान संघर्ष मोर्चा के लंबे आंदोलन का परिणाम थी। इस कमेटी ने नोएडा में 450 वर्ग मीटर की सीमा को ब ?ाकर 1000 वर्ग मीटर करने की सिफारिश की थी, जिसे जल्द से जल्द लागू किया जाए।

यमुना प्राधिकरण कार्यालय में हुई वार्ता के दौरान सीईओ डा. अरूणवीर सिंह भी मौजूद रहें। वहीं किसान संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल में सुखबीर खलीफा, सोरन प्रधान, डॉ. रुपेश वर्मा, वीर सिंह नागर, उदल आर्य, सचिन एडवोकेट, निशांत रावल, गबरी मुखिया, सतीश कनाररसी, वनीष प्रधान, जगबीर नंबरदार, जयवीर प्रधान, प्रेमपाल चौहान, गोपाल शर्मा, मुकेश राणा सहित अन्य शामिल रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200 Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

खास खबर

इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ एफआईआर रद्द

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समाज का एक अभिन्न अंग है। शीर्ष अदालत की टिप्पणी गुजरात पुलिस द्वारा कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए आई। अदालत ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रतापगढ़ी के खिलाफ कोई अपराध नहीं बनता है, साथ ही कहा कि पुलिस को इसतरह के मामलों में एफआईआर दर्ज करने से पहले लिखित या बोले गए शब्दों का अर्थ समझना चाहिए। इस साल जनवरी में गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा मामला रद्द करने से इंकार के बाद, शीर्ष अदालत ने पहले कांग्रेस सांसद की एफआईआर रद्द करने की मांग वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुयान की पीठ ने एफआईआर को खारिज कर इस बात पर जोर दिया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उस पर लगाई गई सीमाओं से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

वाराणसी में नवरात्र पर नहीं खुलेंगी मीट की दुकानें

वाराणसी। धर्मनगरी वाराणसी में नवरात्र के दौरान पूरे शहर में मीट, मुर्गा और मछली दुकानें बंद रहेंगी। गुरुवार को हुई नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में महापौर ने इस प्रस्ताव को पास किया। कार्यकारिणी के सदस्य ने नवरात्र के दिनों में मीट-मांस की दुकानों को बंद करने का प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव को पास करते हुए महापौर ने कहा कि नवरात्र के दिनों में मीट, मुर्गा और मछली की सभी दुकानें पूर्ण रूप से बंद रहेंगी। उन्होंने जला प्रशासन से इस आदेश को सख्ती से लागू करवाने का भी निर्देश दिया। बता दें कि 30 मार्च से 6 अप्रैल तक नवरात्र रहेगा। इस बीच 30 या 31 मार्च को ईद भी मनाई जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले योगी सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने हापुड़ एसपी को आदेश दिया था कि नवरात्र में कोई भी मीट की दुकान नहीं खुले। उन्होंने इसके लिए दो दिन में कार्य योजना बनाने के भी निर्देश दिए थे। नवरात्र के दिनों में मीट की दुकानों को बंद करने के आदेश पर समाजवादी पार्टी की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया भी आई थी। सपा ने कहा कि रमजान में शराब की दुकान खुल सकती है तो नवरात्र में मीट की दुकान क्यों नहीं खुल सकती।

15 लोगों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। कलाकार श्रेयस तलपड़े और 14 अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने श्रेयस और कंपनी के चेयरमैन समीर अग्रवाल समेत 15 लोगों के खिलाफ यूपी के महोबा जिले में मामला दर्ज किया है। धोखाधड़ी का यह मामला एक दशक से चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन आरोपियों ने ह्यद लोनी अर्बन मल्टीस्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड नाम की कंपनी के साथ मिलकर ग्रामीणों को अच्छा रिटर्न दिलाने का दावा किया और उनसे निवेश के तौर पर मोटी रकम ऐंठी। कंपनी के एजेंटों ने ग्रामीणों से बड़ी रकम इकट्ठा की। एजेंट्स ने दावा किया था कि उनका निवेश थोड़े समय में दोगुना हो जाएगा। जब इस दावे पर कानूनी सवाल उठने लगे, तो एजेंटों ने कंपनी बंद कर दी और जिले से भाग गए।

हाई-प्रोफाइल कॉल गर्ल रैकेट का हुआ पदार्फाश

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में चलाए जा रहे एक हाई-प्रोफाइल कॉल गर्ल स्कैंडल का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने एक विला पर छापा मार कार्रवाई करते हुए देह व्यापार में लिप्त 11 युवतियों और दलाल को गिरफ्तार कर लिया। अन्यत्र शहरों से लड़कियां बुलाकर देह व्यापार करवाने वाले रैकेट को पकड़ने के लिए पुलिस ने फिल्मी अंदाज में जाल बिछाया और सभी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि विला में रेड डालने से पहले ही एक पुलिसकर्मी को सादे लिवास में ग्राहक बनाकर वहां भेजा गया।

कपड़ा फैक्टरी का बॉयलर फटा, तीन की मौत

- पीड़ितों के परिजनों ने फैक्टरी का बाहर किया हंगामा
- झुलसे लोगों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

एजेंसी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में आज सुबह एक कपड़ा फैक्टरी का बॉयलर फट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य झुलस गए। यह कपड़ा फैक्टरी भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव दतेड़ी में है। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई है। पीड़ितों के परिजनों ने फैक्टरी का बाहर हंगामा किया है। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गाजियाबाद एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने कहा कि छानबीन के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं और उन्होंने पुलिस को शव भी नहीं उठाने दिए। प्रशासन ने स्थिति संभालने के लिए आसपास के थानों से पुलिस बल बुलाया है। परिजनों का आरोप है कि कामगारों को सेफ्टी उपकरण नहीं दिए गए थे। पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो सका है कि बॉयलर कैसे फटा है। इस हादसे में प्रभावित सभी लोग इसी फैक्टरी के मजदूर बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, मृतकों की शिनाख्त योगेंद्र (42) पुत्र बिजेंद्र निवासी मुकीमपुर मढ़ेया थाना भोजपुर, अनुज (25) पुत्र प्रेम सिंह निवासी कृष्णा नगर थाना मोदीनगर और अवधेश निवासी जहांगीरपुर, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई। एक घायल की पहचान लकी पुत्र जय भगवान निवासी सुहाना थाना निवाड़ी के रूप में हुई है। गांववालों का कहना है कि बॉयलर फटने से बहुत तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के गांव के लोग तक मौके पर पहुंच गए।

सूर्यग्रहण खाली आंखों से देखना पड़ सकता है भारी

एजेंसी

वॉशिंगटन। साल का पहला सूर्यग्रहण शनिवार को होने जा रहा है। यह एक आंशिक सूर्यग्रहण होगा जिसे उत्तरी अमेरिका के साथ ही पश्चिमी यूरोप, उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका और रूस में देखा जा सकेगा। इसके साथ ही यह संभवतः सबसे खतरनाक भी होगा। पर्यवेक्षकों का कहना है कि शनिवार को लगने वाला सूर्यग्रहण आंखों के लिए खतरनाक हो सकता है। खास बात ये है कि साल का पहला आंशिक सूर्यग्रहण इसी महीने हुए ब्लड मून यानी पूर्ण चंद्रग्रहण के दो सप्ताह बाद हो रहा है। यह सूर्यग्रहण क्यों खतरनाक होगा, इसे हम आपको बताएंगे लेकिन उसके पहले इसके बारे में जान लेते हैं। पर्यवेक्षकों का कहना है कि सूर्य कभी भी पूरी तरह से ढका नहीं होगा, इसलिए इसे देखना खतरनाक होगा। ग्रहण के दौरान सूर्य को देखने के लिए ग्रहण का चश्मा या सोलर फिल्टर की आवश्यकता होगी। इसे धूप के चश्मे के साथ न देखने की सलाह दी गई है। फोटोग्राफरों को सौर फिल्टरों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस ग्रहण का सबसे ज्यादा असर उत्तरी अमेरिका में होगा, जहां यह साल 2025 का पहला और आखिरी सूर्यग्रहण होगा। हालांकि, इस साल एक और आंशिक सूर्यग्रहण होगा, लेकिन 21 सितम्बर को होने वाले इस सूर्यग्रहण को केवल दक्षिणी गोलार्द्ध में देखा जा सकेगा।

गाजा हुआ तबाह, 50 हजार से अधिक लोगों की हुई मौत

एजेंसी

गाजा। हमास और इजरायल के बीच जारी जंग में अब तक 50 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। फिलिस्तीन का गाजा शहर पूरी तरह तबाह हो गया है। गाजा पर हमास का शासन है। इजरायली हमले में हमास के तमाम बड़े नेता और हजारों लड़ाके मौत की नींद सो चुके हैं। आम लोगों को भी बड़ी तबाही झेलनी पड़ी है। इस बीच अब गाजा की फिजा में चैन की बायर बहती दिख रही है। दरअसल, हमास-इजरायल के बीच जारी इस जंग से फिलिस्तीन की आम जनता भी बुरी तरह त्रस्त हो चुकी है। वह अब चैन चाहती है। ऐसे वह सड़कों पर उतर रही है। बुधवार को उत्तरी गाजा में बुरी तरह नष्ट हो चुके एक कस्बे में हजारों फिलिस्तीनियों ने जुलूस निकाला। यह युद्ध-विरोधी प्रदर्शनों का दूसरा दिन था। कई लोग हमास के खिलाफ नारे लगा रहे थे। यह इस चरमपंथी संगठन के खिलाफ आम लोगों का गुस्सा दिखाता है। सवाल यह है कि आखिर फिलिस्तीन में आम लोग अब हमास के खिलाफ क्यों सड़कों पर उतर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि आम इंसान जंग से आजीज आ चुके हैं। कुछ ये भी कह रहे हैं कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस चेतावनी का भी असर हो सकता है जिसमें उन्होंने हमास-इजरायल जंग को खत्म करने के लिए फिलिस्तीनियों को कहीं और बसाने की बात कही थी। खैर इसका कारण जो भी, लेकिन आम फिलिस्तीनियों का सड़क पर उतरना गाजा और पूरे मध्य पूर्व में शांति की आहट का संकेत देता है।

बुधवार को ज्यादातर प्रदर्शन गाजा के उत्तरी हिस्से में हुए। लोग 17 महीने से चल रही इजराइल के साथ जंग को खत्म करने की मांग कर रहे थे, जिसने गाजा में जिंदगी को बहुत मुश्किल बना दिया है। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने हमास की भी खुलकर आलोचना की, जिसका अब भी गाजा पर कब्जा है। बेत लाहिया कस्बे में करीब 3,000 लोग जमा हुए। वहां मंगलवार को भी ऐसा ही प्रदर्शन हुआ था। जनता हमास का पतन चाहती हैङ्ख जैसे नारे लगाए गए। गाजा शहर के शिजैया इलाके में भी दर्जनों लोगों ने बाहर, बाहर, हमास बाहर जाओ के नारे लगाए।

बारूदी सुरंग पर चढ़ी कार, महिला की मौत

मॉस्को । रूस के सीमावर्ती इलाके बेलगोरोड में एक रूसी टीवी पत्रकार की मौत हुई। यह महिला पत्रकार रूसी मीडिया के लिए युद्ध की रिपोर्टिंग कर रही थी। बताया गया कि पत्रकार युद्ध क्षेत्र में जिस कार से यात्रा कर रही थी, वह यूक्रेनी बारूदी सुरंग पर चढ़ गई। इससे कार के परखच्चे उड़ गए और महिला पत्रकार का शरीर हवा में उछल गया। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि महिला पत्रकार की मौके पर ही मौत हो गई। बेलगोरोड वहीं इलाका है, जबां यूक्रेन कथित तौर पर घुसपैठ का प्रयास कर रहा है। मरने वाली महिला पत्रकार का नाम अन्ना प्रोकोफयेवा था, जिनकी उम्र 35 वर्ष थी। उसका कैमरामैन दिमित्री वोल्कोव गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

मेलबर्न में शो करने पहुंची नेहा कक्कड़, न खाना मिला न पानी

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ मेलबर्न में अपने कॉन्सर्ट में 3 घंटे देरी से पहुंची तो उन्हें गुस्साई भीड़ का सामना करना पड़ा। उन्हें देखकर हूटिंग की गई और वापस जाओ-वापस जाओ के नारे से आयोजन स्थल गूंज गया। इससे नेहा को बहुत दुख हुआ और वह मंच पर रोने लगी और भीड़ से माफी मांगने लगी इसका वीडियो वायरल हुआ। अब नेहा कक्कड़ ने इस विवाद पर कहा कि जब वह वहां पहुंची तो मैनेजमेंट बिना भुगतान किए वहां से भाग गया और उनके बैंड को खाना, होटल या पानी जैसी बुनियादी जरूरतें भी नहीं मिलीं। अपने नए इंस्टाग्राम पोस्ट में नेहा ने विवाद पर लिखा- नेहा ने कहा कि वह 3 घंटे देरी से आईं, क्या उन्होंने एक बार भी पूछा कि उसके साथ क्या हुआ, उन्होंने उसके और उसके बैंड के साथ क्या किया? जब मैंने मंच पर बात की तो मैंने किसी को भी नहीं बताया कि हमारे साथ क्या हुआ क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि किसी को नुकसान पहुंचे क्योंकि मैं कौन होती हूं किसी को सजा देने वाली लेकिन अब जब यह मेरे नाम पर आ गया है तो मुझे बोलना ही पड़ा। नेहा ने कहा कि क्या आप जानते हैं कि मैंने मेलबर्न के दर्शकों के लिए बिल्कुल मुफ़्त में परफॉर्म किया? आयोजक मेरे और दूसरों के पैसे लेकर भाग गए।

अमेरिकी संसद में पाक सेना प्रमुख पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने अमेरिकी सांसदों की ओर से संसद में पेश किए गए द्विदलीय विधेयक की निंदा की। अमेरिकी संसद में पेश किए गए विधेयक में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए सेना प्रमुख सहित देश के सरकारी अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। पाकिस्तान ने देश की विभिन्न वाणिज्यिक संस्थाओं पर संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से हाल ही में लगाए गए प्रतिबंधों की भी निंदा की और इसे बिना किसी परामर्श, साक्ष्य या प्रमाण के लिया गया एकतरफा फैसला बताया। पाकिस्तान विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने गुरुवार को साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, हमें अमेरिकी कांग्रेस में पेश किए गए विधेयक की जानकारी है। यह व्यक्तियों की राय को दशार्ता है, न कि व्यापक अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को। पाकिस्तान की यह प्रतिक्रिया दो अमेरिकी सांसदों की ओर से प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश किए जाने के बाद आई। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कथित उत्पीड़न और मानवाधिकार उल्लंघन के लिए पाकिस्तानी सरकार और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग की गई।

कठुआ में मुठभेड़ के चलते शहर की नाकाबंदी

जम्मू। जम्मू में आतंकवाद के खतरा को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। हीरानगर में हुई मुठभेड़ के बाद कठुआ में भी मुठभेड़ जारी है, जिसके चलते जम्मू पुलिस ने पूरे शहर में चिह्नित स्थानों पर नाकाबंदी कर दी है। डोगरा चौक में वाहनों की तलाशी ली जा रही है और जिन गाड़ियों के कागजात कम्पलीट नहीं हैं, उन्हें सीज किया जा रहा है। साथ ही कुछ वाहन चालकों के चालान भी काटे जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच में आटो रिक्शा और सामान ले जाने वाले वाहनों की भी तलाशी ली जा रही है। यात्रियों के आधार कार्ड की भी जांच की जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने में मदद मिल सके।

दक्षिण कोरिया के जंगल में नहीं थम रही आग, 26 की मौत

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी प्रांत नॉर्थ ग्योंगसांग में लगी आग नियंत्रण से बाहर हो रही है। यहां अब 26 लोगों की मौत हो गई जबकि 30 लोग बुरी तरह झुलस गए।अग्निशमन कर्मी हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले शुक्रवार से इस क्षेत्र में लगी जंगल की आग ने भारी तबाही मचाई है और लगभग 36,000 हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो गया है। यह आग 2000 में पूर्वी तट पर लगी जंगल की आग से लगभग 13,000 हेक्टेयर ज्यादा क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। उस समय की आग में 23,794 हेक्टेयर जंगल जल गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक वन अधिकारियों ने सोल से करीब 180 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में उइसियोंग काउंटी में लगी आग पर काबू पाने के लिए शनिवार सुबह 6:30 बजे हेलीकॉप्टर, दमकल गाड़ियां और अग्निशमन कर्मी भेजने शुरू कर दिए। यह आग तेज हवाओं के कारण जल्दी फैल गई। मौसम अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी ग्योंगसांग प्रांत में लगभग 5 मिमी बारिश होने की उम्मीद है। प्रांत में लगी आग से 21 लोगों की मौत होने का अनुमान है, जिनमें से चार लोग एंडोंग में मारे गए और आठ लोगों की मौत येओंगदेओक काउंटी में हुई। लगभग 37,000 लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं, जिनमें उत्तरी ग्योंगसांग प्रांत के उइसियोंग और अंडोंग इलाकों के 29,911 लोग शामिल हैं। इससे पहले कार्यवाहक दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति हान डक-सू ने कार्यवाहक आंतरिक मंत्री की-डोंग को उत्तर ग्योंगसांग प्रांत में रहकर आग पर काबू पाने तक प्रभावित लोगों के लिए राहत कार्यों की देखरेख करने का आदेश दिया।

पृष्ठ एक के शेष....

24 घंटों में 15 भूकंप ....

जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने टेलीविजन पर घोषणा करते हुए कहा कि मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में अधिकारियों ने बताया कि एक ऊंची इमारत सहित तीन निर्माण स्थलों के ढहने से 10 लोग मारे गए, 16 घायल हुए और 101 लोग लापता हैं। शुक्रवार को दोपहर के समय 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। इस भूकंप के बाद और झटके भी लगे, जिनमें से एक की तीव्रता रिक्टर स्केल 6.4 मापी गई। मांडले में, भूकंप के कारण कथित तौर पर कई इमारतें ढह गईं, जिनमें शहर के सबसे बड़े मठों में से एक भी शामिल है।

अफगानिस्तान की जमीन भी हिली

वहीं अफगानिस्तान में भी शनिवार सुबह 5ः16 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए. जमीन से 180 किमी की गहराई में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.7 मापी गई. अभी तक किसी तरह के नुकसान या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। यह भूकंप म्यांमार और थाईलैंड में आए शक्तिशाली भूकंप के एक दिन बाद आया है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और इमारतें, बौद्ध स्तूप, सड़कें और पुल बुरी तरह नष्ट हो गए।

ब्राह्मण महासभा ने...

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अगली सरकार समाजवादी पार्टी की होगी।

इस अवसर पर ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पीतांबर शर्मा के अलावा परमानंद शर्मा ,मास्टर रामकुमार शर्मा, अनिल कुमार शर्मा एडवोकेट, ज्ञानचंद शर्मा, रामवीर शर्मा, नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के पूर्व महासचिव अशोक शर्मा, इंजीनियर वेदराम शर्मा, पुनीत शर्मा, विजय शर्मा, उमाशंकर शर्मा, डालचंद शर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुनील भाटी, दीपक भाटी, सुधीर तोमर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एयरफोर्स के इंजीनियर ....

इस घटना पर पुलिस अधिकारी मनोज सिंह ने बताया कि परिवार की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जल्द से जल्द आरोपी को पकड़ने के लिए प्रयास कर रही है।

घर से चुन्नी लेकर....

स्टेलर ग्रीन पार्क के पास एक पेड़ में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सेक्टर-45 सदरपुर कॉलोनी गली नंबर-11 में रहने वाले उदयवीर के भाई मोती राम के रूप में हुई है। जो शादी शुदा है और दो बच्चों का पिता है और सदरपुर के बाजार दुकान लगाता था, आज सुबह जब लोग पार्क में टहलने गये तो पेड़ से लटकते हुए शव को देख पुलिस को सूचित किया।

सूचना पर पहुंची सेक्टर-39 थाना पुलिस ने जांच की और शव को नीचे उतारा। पुलिस को मौके से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आत्महत्या के वजह को तलाश करने के लिए ने मृतक के परिजनों पूछताछ कर रही है। मृतक मूल रूप से बदायूं का रहने वाला था और वह 5 भाई हैं।

कंपनी के खाते से....

मैसेज में यह दावा किया गया कि उनका पुराना नंबर बंद हो गया है और यह नया नंबर अब उनका आधिकारिक संपर्क नंबर है। इसके बाद, धोखेबाज ने एक नई परियोजना के लिए सुरक्षा जमा के रूप में रीता अलग से करोड़ों रूपये अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए।

साइबर ठगों ने अपने icici बैंक खाते सूरज संस एंटरप्राइज में 8180000 रूपये और 7500000 रूपये व hr ट्रेवल्स खाते में 9800000 रूपये ट्रांसफर करा लिए।

धोखाधड़ी का पता तब चला जब निखिल आनंद ने रीता अलग से कंपनी अकाउंट से किये गए भुगतान की जानकारी मांगी, जिससे स्पष्ट हुआ कि यह एक साइबर क्राइम था। घटना की जानकारी मिलने के बाद, कंपनी ने तुरंत एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सूचित किया और नोएडा साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई। कंपनी ने 26 मार्च को साइबर अपराध पोर्टल पर भी रिपोर्ट दायर की है। नोएडा पुलिस धोखाधड़ी की जांच कर रही है।

किसानों के दर्जनों...

ग्रामीणों ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दनकौर थाना प्रभारी मुनेंद्र सिंह को फोन कर आग लगने की जानकारी दी। थाना प्रभारी द्वारा तुरंत फायर ब्रिगेड की टीम को आग बुझाने के लिए रीलका गांव में भेजा गया।

आग से अनुज, बद्रीनाथ, महावीरनाथ सहित कई लोगों का बिटोरा जलकर स्वाहा हो गया है। ग्रामीणों द्वारा आग बुझाने का काफी प्रयास किया गया लेकिन आग बुझाने में नाकामयाब रहे। क्योंकि आग अपना विकराल रूप ले चुकी थी बाद में ग्रामीणों व फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत से आग पर काबू पाया। यदि समय रहते थाना प्रभारी फायर ब्रिगेड की टीम को नहीं भेजते तो शायद किसानों की सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल आग की चपेट में आ सकती थी। ग्रामीणों ने दनकौर थाना प्रभारी व फायर ब्रिगेड की टीम का आभार व्यक्त किया हैं।

सुकमा में 16 नक्सली....

बता दें कि छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शनिवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के अनुसार, यह मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के एक जंगल में हुई, जहां सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

एक अधिकारी ने बताया कि जिला रिजर्व गार्ड और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान इस ऑपरेशन में शामिल हैं। अभियान को शुक्रवार रात उस क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद शुरू किया गया था।

खास खबर

हर्षल के पकड़े कैच पर उठे सवाल

हैदराबाद। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए मैच में हर्षल पटेल ने 31 मीटर दौड़कर आयुष बडोनी का एक शानदार कैच पकड़ा हालांकि इसको लेकर विवाद भी हुआ है। कुछ कमेंटेरों ने इसकी वैधता पर सवाल भी उठाये और इस कैच का मामला सोशल मीडिया में भी छाया रहा। ये मामला लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी में 14वें ओवर का है। तब सुपरजायंट्स के आयुष बडोनी ने एडम जम्पा की गेंद पर शॉट लगाया पर हर्षल पटेल ने सीमा रेखा से बाउंड्री करीब 31 मीटर की दौड़ लगाकर ये कैच पकड़ लिया। हर्षल ने कैच पकड़ने के तुरंत बाद गेंद को हवा में उछाल दिया जिससे विवादा उठा गया। जैसे ही हर्षल पटेल ने गेंद उछाली तो कॉमेंटेटर ने कहा कि उन्हें इतनी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी। उन्होंने शुभमन गिल के उसे कैच को याद किया। जब शुभमन ने भी कैच पकड़ने के तुरंत बाद गेंद हवा में उछाल दी थी। बाद में अंपायर ने उन्हें ऐसा नहीं करने को कहा था। कई प्रशंसकों ने इसको लेकर सोशल मीडिया में कमेंट किये हैं। यूजर ने लिखा, ह्यहर्षल ने जब गेंद उछाली तब वह स्लाइड कर रहे थे। वह खुद ही मूव कर रहे थे। ऐसे में ना तो उनका अपने शरीर पर पूरा नियंत्रण था और ना ही कैच पर इसलिए आयुष को आउट नहीं दिया जाना था। इसके लिए प्रशंसकों ने नियमों का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि खिलाड़ी का कैच और अपने पर नियंत्रण होना चाहिये।

ऑरेंज कैप की रेस में पूरन सबसे आगे निकले

हैदराबाद । लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से आईपीएल के पहले दो मैचों में शानदार बल्लेबाजी करने वाले निकोलस पूरन सबसे अधिक रनों के लिए दी जाने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे निकल गए हैं। पूरन ने अब तक लखनऊ की ओर से खेले दो मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 145 रन बनाये हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में भी पूरन ने केवल 26 गेंदों में ही तेजी से 70 रन बनाये थे। पूरन ने इस पारी के दौरान 6 चौके और 6 छक्के लगाए। इस टूनार्मेंट में अब तक खेले गए दो मैचों में पूरन ने 12 चौके और 13 छक्कों छक्के लगाकर 145 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे नबंर पर मिशेल मार्श हैं। मार्श ने 2 मैचों में 124 रन बनाये हैं। मार्श ने इस टूनार्मेंट में अब तक 13 चौके और 8 छक्के लगाएं हैं। तीसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड हैं, जिन्होंने अब तक खेले गए दो मैचों में 114 रन बनाए हैं। जिसमें 14 चौके और 6 छक्के शामिल हैं। इस दौड़ में की शुरूआत में सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन आगे चल रहे थे। पर इस मैच में विफल होने के कारण अब वह पीछे हो गये हैं।

इस बार अजलान शाह में नजर नहीं आयेगी पाक टीम

लाहौर। अजलन शाह कप हॉकी टूनार्मेंट में इस बाहर पाकिस्तान टीम नजर नहीं आयेगी। इसका कारण है कि मलेशियाई हॉक महासंघ ने पाक हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के पिछले बकाया कर्ज का भुगतान न करने के कारण उसे अब तक आमंत्रित नहीं किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीएचएफ पर 271.2 अरब डॉलर का कर्ज हो गया है। मलेशियाई हॉक महासंघ ने बकाया कर्ज के कारण इस साल होने वाले अजलन शाह कप के लिए पाकिस्तान को आमंत्रित ही नहीं किया है। वहीं पीएचएफ ने माना है कि अजलन शाह कप के पिछले सत्र के दौरान कुछ गलत फैसले लिए थे, जिससे वह मलेशियाई हॉकी महासंघ के कर्ज में डूब गया। मलेशियाई संघ के आयोजक कर्ज अदा नहीं करने के कारण उससे नाराज हैं। वहीं अब पीएचएफ के अधिकारी इस विवाद को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये मामला सुलझा लिया जाएगा और इस हफ्ते के अंत में उन्हें भी आमंत्रण मिल जाएगा। पाकिस्तान हॉकी टीम पिछले साल हुए इस टूनार्मेंट में फाइनल तक पहुंचा था। जहां वह हार गया था पर पीएचएफ की गलती के कारण टीम को उपविजेता होने के बाद भी इस बार अवसर नहीं मिलेगा।

गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस का मुकाबला आज

एजेंसी

अहमदाबाद । आईपीएल के 18 वें सत्र में शनिवार को यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेंगी। दोनो ही टीमों को अपने शुरूआती मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में से मुंबई टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या वापसी करेंगे। हार्दिक प्रतिबंध के कारण चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पहला मैच नहीं खेल पाये थे। उसमें उनकी जगह पर सूर्यकुमार यादव ने कप्तान की थी। वहीं अपने घरेलू मैदान पर खेलने जा रही शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को पहले मैच में पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। मुंबई इंडियंस को पहले मैच के बाद एक सप्ताह का ब्रेक मिला है जिससे वह तरोताज होकर गुजरात के खिलाफ उतरेगी। इस बार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के रहीं होने से मुम्बई की गेंदबाजी कमजोर नजर आयी है। इस मैच से हार्दिक के होने से टीम को एक तेज गेंदबाज भी मिल जाएगा। हार्दिक अभी भारत के सबसे अच्छे ऑलराउंडर हैं और उनके होने से मुम्बई को फायदा होना तय है। ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। वह गेंद और बल्ले दोनों में किसी एक से भी मैच पर बड़ा प्रभाव डालने की क्षमता रखते है। टीम को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मैच खेलना है जिसका विकेट बल्लेबाजों के अनुरुप माना जाता है। इस मैदान पर पिछले दोनो ही मैचों में 200 से अधिक रन बने थे। हार्दिक के होने से इस मैच में मुम्बई का पलड़ा भारी नजर आता है। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों को उनपर अंकुश लगाना होगा। इस पिच पर कलाई के स्पिनर विग्नेश पुथुर का सामना करना गुजरात के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल के अलावा, साई सुदर्शन , ग्लेन फिलिप्स आदि पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों के पास रहेगी।

आर्यना साबालेंका पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना साबालेंका ने गुरुवार को इटली की छठी वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 6-2, 6-2 से हराकर अपने पहले मियामी ओपन फाइनल में प्रवेश किया। साबालेंका ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली सर्व पर 77 प्रतिशत अंक जीते, छह ऐस लगाए और अपने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। इसके साथ ही, उन्होंने पांच में से चार ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाया और महज 71 मिनट में जीत दर्ज की। दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाली बेलारूसी शीर्ष वरीयता प्राप्त साबालेंका ने इस टूनार्मेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। वह मियामी में इंडियन वेल्स उपविजेता के रूप में पहुंची थीं। साबालेंका ने कहा, मैं आज के अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचकर काफी उत्साहित हूं। पूरे मैच के दौरान साबालेंका कभी पिछड़ी नहीं और दोनों सेटों में सिर्फ एक बार स्कोर 1-1 से बराबर हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कह सकती हूं कि यह इस सीजन के बेहतरीन मुकाबलों में से एक था। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं पूरी तरह से अपने खेल पर केंद्रित थी। ऐसा लग रहा था कि सबकुछ मेरे पक्ष में जा रहा है। अब फाइनल में साबालेंका का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इस मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला और फिलीपींस की वाइल्डकार्ड एंट्री एलेक्जेंड्रा एला आमने-सामने होंगी।

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। अपनी सातवीं मियामी ओपन खिताबी जीत के लक्ष्य के साथ खेल रहे सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 (7-4) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला एक घंटे 24 मिनट तक चला। यह क्वार्टरफाइनल मैच बुधवार रात को खेला जाना था, लेकिन जेसिका पेगुला और एम्मा राडुकानु के बीच महिला क्वार्टरफाइनल मैच रात 11 बजे के बाद तक चलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। मैच रात करीब 12 बजे शुरू होता, जो नए एटीपी नियमों के खिलाफ होता। जोकोविच अब सेमीफाइनल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से भिड़ेंगे। 33 वर्षीय दिमित्रोव, जो 2024 में इस टूनार्मेंट के फाइनल तक पहुंचे थे, के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड 12-1 का है। जोकोविच इससे पहले अपने सभी छह मियामी ओपन खिताब टूनार्मेंट के पिछले स्थल की बिस्केन में जीते थे। इस बार वह अपने करियर के 100वें खिताब को जीतने के लिए प्रयासरत हैं। जोकोविच ने कहा, ?मुझे यहां जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मुझे लगता है कि मेरे पास खिताब जीतने का अच्छा मौका है... मैं लंबे समय बाद अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हूं। हार्ड रॉक स्टेडियम में दर्शकों ने 37 वर्षीय जोकोविच के समर्थन में उनके नाम के नारे लगाए, भले ही वह एक अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। दूसरे सेट में उन्होंने 4-1 और 5-2 के पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेकर में जीत हासिल की। उन्होंने मैच प्वाइंट पर एक जोरदार ऐस लगाया और 24वीं वरीयता प्राप्त कोर्डा के खिलाफ 83% पहली सर्विस का शानदार आंकड़ा दर्ज किया।

शार्दुल के आईपीएल में 100 विकेट पूरे

एजेंसी

हैदराबाद । पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शानदार वापसी की है। शार्दुल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में 32 रन देकर चार विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इससे पहले शार्दुल ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ के खिलाफ पहले मुकाबले में भी दो विकेट लिए हैं। इस प्रकार दो मुकाबलों में छह विकेट लेकर वह पर्पल रंग की कैप के अधिकारी बन गये हैं। इस मैच में शार्दुल ने अपने आईपीएल करियर में 100 विकेट भी पूरे किये। अपनी इस उपलब्धि पर शार्दुल ने कहा कि मुझे लगता है कि क्रिकेट में ये सब होता है। नीलामी के समय उस जब मुझे किसी भी फ्रैंचाइजी ने नहीं लिया तो मैं निराश था। सुपर जायंट्स ने अपने गेंदबाजों के फिट नहीं होने के कारण सबसे पहले मुझसे संपर्क किया था, इसलिए मैंने उसकी टीम में ही जाना तय किया। क्रिकेट में आपको ऐसी चीजों को झेलना पड़ता है। शार्दुल ने कहा कि मेरे लिए खेल में जीतना अहम है। मैं विकेट या रनों की जगह ये देखता हूं कि क्या प्रभाव डाल सकता हूं। मेरा लक्ष्य मैच विजेता प्रदर्शन करना रहा है। मैंने सोचा कि बल्लेबाज गेंदबाजों पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं, तो क्यों न गेंदबाज भी यही करें। यही हमारी हैदराबाद के खिलाफ योजना थी। वे सपाट पिचों पर भारी रन बना रहे थे पर इस मैच में शुरूआत में ही उनके दो विकेट निकल गये जिससे गेम आसान हो गया।

वरुण के साथ गेंदबाजी करना बेहतर अनुभव रहा : मोइन

एजेंसी

गुवाहाटी । आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के स्पिनर मोइन अली ने भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके साथ गेंदबाजी करने का अनुभव अच्छा रहा है क्योंकि वह मुझसे बेहतर गेंदबाज है। के मोइन ने कहा कि वरुण के होने से मेरा काम काम रन गति पर लगाम कसना है जिससे कि वह दबाव बना सके और विकेट ले सके। साथ ही कहा कि मैं ऐसे व्यक्ति के साथ गेंदबाजी करने का आदी हूं जो मेरे से बेहतर है और जिसमें मेरे से अधिक विविधता है। मेरा काम जितना हो सके उतनी कसी हुई गेंदबाजी करना है और उम्मीद है कि इससे दबाव बनेगा और वह व्यक्ति विकेट ले सकेगा। जैसा कि हम जानते हैं कि वरुण बेहतरीन गेंदबाजी कर रहा हैं और वह एक शानदार गेंदबाज है। पिछले दो-तीन वर्षों में उसमें बहुत सुधार हुआ है। ऐसे गेंदबाज के साथ गेंदबाजी करना काफी अच्छा अनुभव है। मोईन ने रॉयल्स के खिलाफ चार ओवर में 23 रन पर दो विकेट लिए जबकि उनके युवा स्पिन साथी चक्रवर्ती ने भी चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

ईशान के आउट होते ही मायूस हुई काव्या

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल के दूसरे ही मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। इस मैच में ईशान के आउट होते ही टीम की मालकिन काव्या मारन मायूस नजर आयीं। काव्या को पहले मैच की तरह इस मैच में भी ईशान से आक्रामक पारी की उम्मीद थी पर वह शार्दुल ठाकुर का शिकार बन गये। काव्या दूसरे मैच में भी अपनी टीम का हौंसला बढ़ाने के लिए दर्शकों के बीच बैठीं थी। शार्दुल ने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर सलामी बल्लेबातज अभिषेक शर्मा को आउट किया। इसके बाद दूसरी गेंद पर ईशान किशन को शिकार बनाया। ईशान ने पहले मैच में शतक लगाया था। ईशान किशन को 2024 में मेगा नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस ने रिलीज कर दिया था।

ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप का पोस्टर जारी

एजेंसी

रांची । आगामी 3 मई से रांची के खेल गांव में आयोजित सिकोकई ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप का पोस्टर जारी किया गया। हैदराबाद में चल रहे किओ नेशनल कराटे चैंपियनशिप के दौरान कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष हांशी भरत शर्मा ने इसका विमोचन किया। हांशी भरत शर्मा कहा कि खिलाड़ियों को एक अच्छा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन रांची में किया जा रहा है और इसकी मेजबानी झारखंड को दी गई है ताकि झारखंड के खिलाड़ी बढ़ चढ़कर उसमें हिस्सा ले और अपने प्रतिभा को निखर कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिताओं में राज्य और देश के लिए पदक जीत सके। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राईबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेरमैन सह ईस्ट इंडिया कराटे एसोसिएशन के संयुक्त सचिव शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि झारखंड की राजधानी रांची में एशिया का नंबर वन खेल गांव है यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा सकता है। इसे देखते हुए दूसरी बार सिकोकई ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप की मेजबानी झारखंड को दी गई है। जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इस प्रतियोगिता का आयोजन खेल गांव के हरिवंश ताना भगत इनडोर स्टेडियम में किया जाएगा इस प्रतियोगिता में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी और वर्ल्ड कराटे फेडरेशन के जज और रेफरी भी शामिल होंगे। पोस्टर विमोचन के दौरान स्टेट कराटे एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव शिहान पंकज कांबली सिकोकई कराटे इंटरनेशनल इंडिया बंगाल के मुख्य प्रतिनिधि शिहान मीर खादेम अली अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी वेलेंटीना वालेना अन्य पदाधिकारी गण एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

सभी को अपनी शैली में खेलने की आजादी दी थी : ऋषभ

एजेंसी

हैदराबाद । लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के दूसरे ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत से बेहद उत्साहित दिखे। सुपरजायंट्स ने इस मैच में पांच विकेट से जीतकर अपना खाता खोला है। पहले मैच में उसे करीबी अंतर से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार मिली थी पर इस मैच में टीम ने कोई गलती नहीं की। ऋषभ ने कहा कि वह जीत से बहुत अधिक उत्साहित और हार से बहुत ज्यादा निराश नहीं होना चाहते थे। साथ ही कहा कि सभी खिलाड़ियों को अपनी शैली के साथ खेलने की आजादी दी गयी थी जिसका उन्हें लाभ मिला। इस जीत के साथ ही लखनऊ की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं सनराइजर्स छठे नंबर पर खिसक गयी है। इस मैच में शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी (चार विकेट) और निकलस पूरन के 70 रनों के अलावा मिचेल मार्श के 52 रनों की पारी की भी सुपरजायंट्स की जीत में अहम भूमिका रही। ऋषभ ने मैच के बाद कहा, इस जीत से हमें काफी राहत मिली है। इससे एक टीम के रुप में हम उभरकर आये हैं हालांकि अब हम जीत के बाद बहुत ज्यादा उत्साहित और हारने के बाद बहुत ज्यादा निराश नहीं होना चाहते। केवल एक बार में हम केवल एक मैच के बारे में ही सोचते हैं ह्न ऋषभ ने शार्दुल की भी जमकर प्रशंसा की उन्होंने कहा कि टीम में सभी को अपने अनुसार खेलने की आजादी है जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। ऋषभ ने निकोलस पूरान की आक्रामक पारी को लेकर कहा कि उन्हें पूरी आजाद दी गयी थी जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया।

अंतिम समय शॉट बदल देते हैं अभिषेक : विलियमसन

एजेंसी

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। विलियमसन ने कहा है कि अभिषेक में अंतिम समय में शॉट्स बदलने और मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की अच्छी क्षमता है। विलियमसन ने कहा कि उनके पास बेहतरीन बैट स्विंग है और वो गेंद को स्वाभाविक तरीके से खेलता है। अभिषेक आईपीएल आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद टीम की ओर से खेल रहे हैं। जिसे इस टीम ने आईपीएल के 18वें सीजन के लिए रिटेन किया था। अभिषेक शर्मा टी20 प्रारूप के बेहद खतरनाक बल्लेबाज हैं और इसकी क्या वजह से इसके बारे में हैदराबाद के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने बताया। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि अभिषेक के पास गेंद को टाइम करने और मैदान के चारों तरफ खेलने की जो क्षमता है वह हेनरिक क्लासेन जैसी है। सबसे बड़ी खूबी है कि वो आखिरी मिनट में अपने शॉट को बदल देते हैं क्योंकि वो ओवरहिटिंग नहीं करते हैं और ये एक ऐसा कौशल है जो कुछ ही बल्लेबाजों के पास है। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद ने अभिषेक को आईपीएल 2019 से पहले दिल्ली कैपिटल्स से खरीदा था तब से ही लगा था कि उनमें गजब की प्रतिभा है, भले ही उन्होंने इससे पहले सिर्फ 3 मैच आईपीएल में खेले थे।

मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

लंदन। न्यू साउथ वेल्स के कप्तान मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने 2024-25 सीजन के बीच में ही इस प्रारूप से खुद को अलग कर लिया था। 38 वर्षीय हेनरिक्स, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार टेस्ट मैच खेले हैं, अब भी न्यू साउथ वेल्स के लिए वनडे कप में उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, वह सिडनी सिक्सर्स के साथ अपने मौजूदा अनुबंध के तहत एक और सीजन खेलेंगे, जहां वे कप्तान भी हैं। हेनरिक्स ने नवंबर की शुरूआत के बाद से शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए कोई मैच नहीं खेला। उनकी गैरमौजूदगी में जैक एडवर्ड्स ने टीम की कमान संभाली और न्यू साउथ वेल्स ने फाइनल में जगह बनाने की पूरी कोशिश की, हालांकि अंत में वे चौथे स्थान पर रहे। अपनी संन्यास की घोषणा करते हुए हेनरिक्स ने कहा, इस साल क्रिसमस से पहले ही मैंने तय कर लिया था कि अब मुझे शेफील्ड शील्ड क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। इस राज्य का नेतृत्व करना और उसके लिए खेलना मेरे लिए सम्मान की बात थी, लेकिन न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलना सिर्फ शब्दों और तैयारी से नहीं होता, बल्कि प्रदर्शन से होता है। उन्होंने आगे कहा, मेरी फिटनेस अभी भी ठीक थी, लेकिन इस उम्र में अगर मैं अपने राज्य के लिए मैच नहीं जिता पा रहा, तो फिर मैं कैसे नेतृत्व कर सकता हूं? हमारे पास शानदार युवा खिलाड़ी हैं जो इस टीम को आगे लेकर जाएंगे और मैं उन्हें पूरा समर्थन दूंगा। अपने प्रथम श्रेणी करियर में हेनरिक्स ने 6830 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 34.84 का रहा और उन्होंने 13 शतक जड़े। गेंदबाजी में भी उन्होंने 30.75 की औसत से 127 विकेट हासिल किए। करियर के शुरूआती दौर में उन्हें ऑस्ट्रेलिया का भविष्य माना जा रहा था। 2013 में चेन्नई में भारत के खिलाफ अपने टेस्ट डेब्यू पर उन्होंने 68 और नाबाद 81 रन बनाए थे। हालांकि, इसके बाद के तीन टेस्ट मैचों में वे दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। हेनरिक्स ने न्यू साउथ वेल्स टीम की कमान जैक एडवर्ड्स को सौंपते हुए कहा, ?जैक एडवर्ड्स ने टीम की कमान संभाली है और उन्होंने इतनी कम उम्र में ही बेहतरीन नेतृत्व क्षमता दिखाई है। उन्होंने क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स का भी आभार जताते हुए कहा, मैं 17 साल की उम्र से इस संगठन का हिस्सा रहा हूं और इसने हर कदम पर मेरा समर्थन किया। 21 साल बाद भी, मैं छोटे प्रारूपों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा और इस खेल को वापस कुछ देने की इच्छा रखता हूं। न्यू साउथ वेल्स के कोच ग्रेग शिपर्ड ने हेनरिक्स के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, मोइसेस ने न्यू साउथ वेल्स के लिए मैदान पर जो कुछ किया है, वह तो सभी जानते हैं, लेकिन उनका योगदान मैदान के बाहर भी अविश्वसनीय रहा है। वे एक शानदार पेशेवर और लीडर हैं, और न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट को उनके योगदान से बहुत लाभ मिला है।

अमेरिका में अल्पाइन सकीइंग रेस में भाग लेती हुई अमेरिका की मिकेला शिफरिन।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पर्जिलस नाइजर, एर्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियॉं सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉं

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।

उर्वरक

प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर

पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।

सिंचाई एवं जल निकास

लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।

मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियॉं हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

रॉबिनहुड में नजर आएगी नितिन श्रीलीला की जोड़ी

नितिन की फिल्म रॉबिनहुड 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन फिल्म की रिलीज से पहले इसके ओटीटी और सैटेलाइट तय कर दिए गए हैं। इस फिल्म का निर्देशन वेंकी कुदुमुला ने किया है। इन दिनों रॉबिनहुड की पूरी स्टार कास्ट फिल्म का प्रचार कर रही है। यही वजह है कि हाल ही में इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे क्रिकेटर डेविड वार्नर भी फिल्म के प्रचार के लिए हैदराबाद पहुंच चुके हैं। एक खबर के मुताबिक, जी ने फिल्म के पोस्ट-थियेट्रिकल अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। ओटीटी स्ट्रीमिंग अधिकार जी5 के पास हैं, जबकि जी तेलुगु के पास इस फिल्म के सैटेलाइट अधिकार हैं। रॉबिनहुड के सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फैंस को पूरी उम्मीद है कि यह फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी।

रॉबिनहुड में नजर आएंगे डेविड वार्नर

रॉबिनहुड एक एक्शन कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें नितिन, श्रीलीला के अलावा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। नितिन, श्रीलीला और डेविड के अलावा फिल्म में राजेंद्र प्रसाद, वेनेला किशोर अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स के तहत किया गया है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म में केतिका शर्मा का एक स्पेशल सॉन्ग भी है। नितिन और श्रीलीला के फैंस को रॉबिनहुड की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

सिर्फ एक्टिंग नहीं, किरदार को भी जीती हूं

रश्मिका मंदाना की पिछली तीन फिल्मों ने 500 करोड़ से अधिक की कमाई की। आगे वह सिंकदर और द गर्लफ्रेंड में भी दिखेंगी। उनसे फिल्मों और करियर पर हुई बातचीत...

2016 में करियर की शुरुआत की थी। इतने समय में क्या कुछ सीखा और बदलाव पाया?

मैंने इन सालों में बहुत कुछ सीखा। मुझे लगता है कि आज मेरे काम में एक आत्मविश्वास है। शुरुआती दिनों में मैं परफॉर्म तो करती थी लेकिन अपने क्राफ्ट को लेकर उतनी श्योर नहीं थी। लोग कहते थे कि मैं प्रिटी लगती हूं, स्क्रीन पर प्लीजिंग लगती हूं और डिलीवर कर सकती हूं लेकिन किन मैं खुद को लेकर बहुत क्लियर नहीं थी। आज, मुझे लगता है कि मैं किसी भी भीड़ में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच सकती हूं। जब मैं स्क्रीन पर होती हूं तो लोग मुझ पर फोकस करते हैं। ये मेरे लिए एक बड़ा बदलाव है।

छावा एक बड़ी हिट रही। किरदार में ढलने के लिए क्या रिसर्च की थी?

छावा के लिए मेरी तैयारी किसी महारानी की तरह ही शाही रही थी। लक्ष्मण उतेकर सर से कहा, जो आप कहेंगे, मैं करूंगी। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती लैंग्वेज थी। हिंदी मेरी मातृभाषा नहीं है लेकिन ऑडियंस के लिए इसे सीखना मेरा फर्ज था। संवादों के लिए मैंने हर दिन 3-4 घंटे मेहनत की। यह सिलसिला पांच महीनों तक चला। मेरे लिए यह सिर्फ किरदार निभाने की बात नहीं थी, बल्कि उस किरदार की आत्मा को जीने की कोशिश थी।

द गर्लफ्रेंड के बारे में कुछ शेयर करेंगी?

द गर्लफ्रेंड के बारे में... बहुत कुछ एक्साइटिंग है। मुझे लगता है कि यह एक अनोखी कहानी है। यह एक कॉन्सेप्ट है जो आज के समय की बात करता है। यह फिल्म मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है क्योंकि यह मेरी पहली सोलो फिल्म है। मैं इसे अपनी बेबी फिल्म मानती हूं और इसके लिए पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है। कहानी को परदे पर लाने के लिए हमारी कड़ी मेहनत और जुनून साफ दिखाई देगा। मुझे यकीन है कि यह ऑडियंस को प्रभावित करेगी। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि यह मेरी एक और चुनौतीपूर्ण जर्नी होगी।

ओडेला 2 में भैरवी के किरदार को खुद के लिए भाग्यशाली मानती हैं तमन्ना

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं तमन्ना भाटिया हाल ही में अपनी नई फिल्म ओडेला 2 को लेकर खास बातचीत की।

हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट के दौरान तमन्ना और फिल्म के क्रिएटिव सुपरवाइजर संपत नंदी और फिल्म के निर्माताओं ने मीडिया से बात की। तमन्ना ने बताया कि वह फिल्म में भैरवी का किरदार निभा रही हैं और इसे बहुत खास मानती हैं।

ओडेला 2, 17 अप्रैल को रिलीज होगी

एक खबर के मुताबिक, तमन्ना ने कहा कि वह ओडेला 2 में भैरवी का किरदार निभाकर खुद को भाग्यशाली मानती हैं। तमन्ना ने कहा, मुझे पहली फिल्म बहुत पसंद आई थी। ओडेला 2 की कहानी बहुत रोमांचक है। गांव की पृष्ठभूमि में इस तरह की कहानी बनाना आसान नहीं है, लेकिन निर्देशक अशोक तेजा ने कमाल कर दिखाया। निर्माता डी मधु ने भी इसे बहुत मेहनत से बनाया है। यह फिल्म दर्शकों को थिएटर में शानदार अनुभव देगी। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म का टीजर महाकुंभ मेले के दौरान जारी किया गया था। फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर अप्रैल के पहले हफ्ते में रिलीज होने की उम्मीद है। इस फिल्म में तमन्ना नागा साधु के अवतार में नजर आएंगी। ओडेला 2 का निर्माण डी मधु ने अपने मधु क्रिएशन्स बैनर के तहत संपत नंदी टीमवर्क्स के सहयोग से किया है।

ओडेला 2 में नजर आएंगी तमन्ना

अशोक तेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 2019 में आई ओडेला रेलवे स्टेशन का दूसरा भाग है, जो एक सुपरनैचुरल थ्रिलर थी। फिल्म में तमन्ना भाटिया के अलावा हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन सिम्हा भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हुए वरुण धवन

हाल ही में वरुण धवन अपनी फिल्म की शूटिंग करते वक्त घायल हो गए हैं, जिससे उनको चोट आई है। अभिनेता ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया पर दी है और दर्शकों से अपनी चोट को लेकर सवाल भी किया है।

काम के दौरान लगी चोट

वरुण धवन को शूटिंग के दौरान चोट लग गई है, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर दी है। अभिनेता ने बुधवार को स्टोरी के जरिए बताया कि उन्हें उंगली में चोट लग गई है। साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों से सवाल किया कि आपकी उंगली को ठीक होने में कितना समय लगता है। इसके अलावा वरुण ने लिखा कि हैशटैग काम के दौरान की चोट। इस तस्वीर में उनकी उंगली में सूजन दिखाई दे रही है।

कई प्रोजेक्ट्स हैं वरुण के पास

वरुण धवन के पास इस समय कई फिल्में हैं, जो लाइन में लगी हुई हैं। हाल ही में अभिनेता ने जान्हवी कपूर के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग पूरी की। अब वे बॉर्डर 2 पर फोकस करने से पहले है जवानी तो इश्क होना है की शूटिंग में जुट गए हैं।

फिल्म का पहला शेड्यूल किया पूरा

अभी कुछ दिनों पहले ही वरुण धवन ने है जवानी तो इश्क होना है की देहरादून की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म का निर्देशन वरुण के पिता डेविड धवन कर रहे हैं और इसमें पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता आखिरी बार बेबी जॉन फिल्म में नजर आए थे।

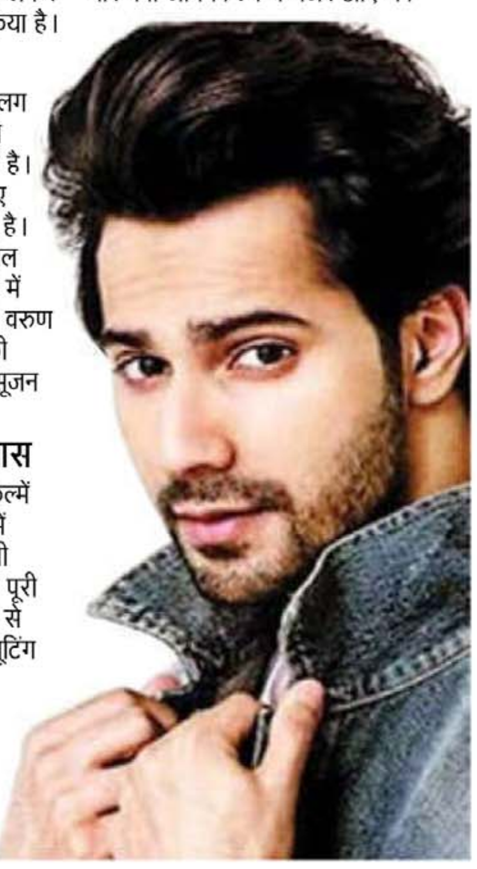

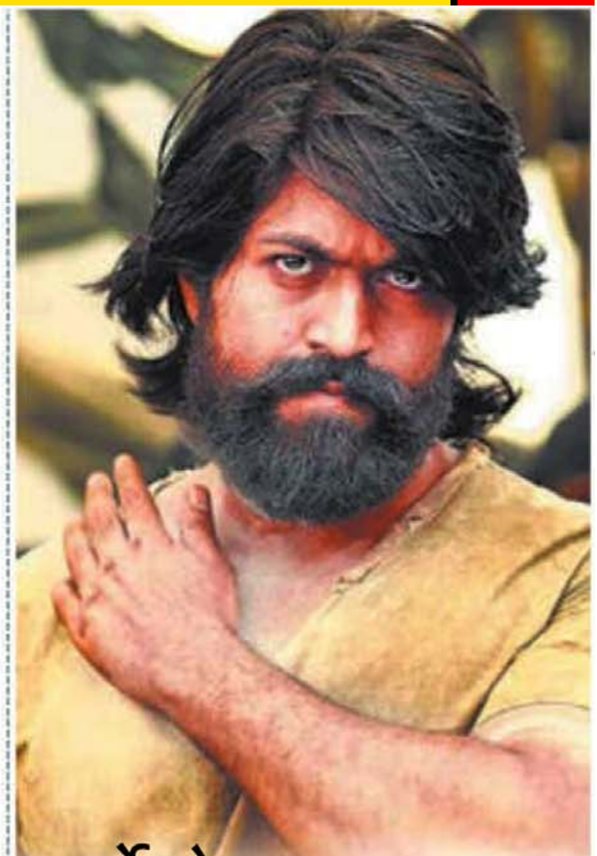

पर्दे के साथ-साथ बॉक्स ऑफिस पर रणबीर से भिड़ेंगे यश

इस साल ईद के मौके पर सलमान खान की फिल्म सिकंदर रिलीज होने वाली है। अगले साल ईद के मौके पर दो फिल्में रिलीज होने वाली हैं। एक फिल्म 26 मार्च 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का नाम टॉक्सिक है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार यश हैं। दूसरी फिल्म लव एंड वार है। यह फिल्म भी ईद के आस-पास ही रिलीज होने वाली है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे। ऐसे में अगले साल यश और रणबीर कपूर की फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर टकराव देखने को मिल सकता है। यश को फिल्म केजीएफ से पूरे देश में शोहरत मिली। उम्मीद की जा रही है कि वह टॉक्सिक में भी अपनी पहले वाली छवि लेकर आएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसने अपने एलान के बाद से ही फैंस में काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। दूसरी तरफ लव एंड वार फिल्म है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे। फिल्म में जबरदस्त विजुअल होंगे। फिल्म में भरपूर रोमांस और ड्रामा होगा। मजे की बात ये है कि यह पहली ऐसी जगह नहीं है जहां रणबीर और यश एक दूसरे से भिड़ेंगे।

पर्दे पर यश से भिड़ेंगे रणबीर

दोनों अभिनेता नितेश तिवारी की रामायण में राम और रावण का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन लड़ाई भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार क्षणों में से एक होने वाली है। ये फिल्म 2026 रिलीज होने वाली है। कई जानकारों ने उम्मीद जताई है कि जिस तरह से ये दोनों अभिनेता ऑनस्क्रीन लड़ाई करते नजर आएंगे, उसी तरह से इन दोनों की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लड़ाई करती नजर आएंगी। इससे साल 2026 फिल्म देखने वालों के लिए एक यादगार लम्हा होने वाला है।

इस ईद पर रिलीज होगी सिकंदर

आपको बता दें कि इस ईद के मौके पर को सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर रिलीज होने वाली है। फिल्म में सलमान खान के अलावा रश्मिका मंदाना, सुनी शेट्टी और शर्मन जोशी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है। फिल्म के टीजर और गाने ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने उनके साथ सेट पर हुए कई किस्सों को लेकर खुलासा किया। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की और बताया कि कैसे ऋतिक रोशन उनसे अलग और अनोखे दिखते हैं।

एक खबर के मुताबिक, नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्हें अक्सर अपनी ही फिल्म के सेट पर रोक दिया जाता था। उन्हें भीड़ में घुलने-मिलने में मजा आता है। शुरुआती दिनों में जब वे ऑडिशन के लिए जाते थे, तो लोग कहते थे कि वे अभिनेता जैसे नहीं दिखते। इससे उन्हें गुस्सा और दुख होता था। वे कहते हैं कि लोग उनसे पूछते थे, आप कौन हैं? और जब वे बताते कि वे अभिनेता हैं, तो लोग कहते, आप तो अभिनेता जैसे दिखते नहीं।

ऋतिक रोशन को लेकर की बात

एक खबर के मुताबिक, इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने कहा, आप अपरंपरागत दिखते हैं। भाई, मैं अपरंपरागत कैसे हो सकता हूं, जब भारत में करोड़ों लोग मेरे जैसे दिखते हैं। मैं पारंपरिक हूं, यह ऋतिक रोशन हैं जो अपरंपरागत दिखते हैं। इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने फिल्म तलाश का एक किस्सा सुनाया। तलाश की शूटिंग के दौरान एक गार्ड ने उन्हें सेट में घुसने से रोक दिया था। गार्ड को समझाने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। वे कहते हैं कि आज भी उनके साथ ऐसा होता है। हाल ही में रात अकेली है पार्ट 2 की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर हनी त्रेहान उन्हें ढूंढते थे, जबकि वे उनके ठीक पीछे खड़े होते थे। नवाजुद्दीन को यह सब अच्छा लगता है। वे कहते हैं कि उनका ऐसा स्वभाव है और वे इसका फायदा उठाते हैं।

रंग को लेकर बताई खास बात

पहले एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने रंग और शक्ल को लेकर लोगों के बुरे बर्ताव के बारे में भी बात की थी। नवाजुद्दीन ने कहा कि लोग उन्हें हमेशा कहते हैं कि वे बदसूरत हैं। दुख की बात यह है कि अब वे भी इस पर यकीन करने लगे हैं। वे कहते हैं, कुछ लोग मेरी शक्ल से नफरत क्यों करते हैं, पता नहीं। शायद इसलिए कि मैं इतना बुरा दिखता हूं। मैं खुद को आईने में देखता हूं तो सोचता हूं कि इतनी खराब शक्ल लेकर फिल्म इंडस्ट्री में क्यों आया?

सिकंदर और एल 2 एम्पुरान में कोई कंपटीशन नहीं

पृथ्वीराज सुकुमारन के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म एल2- एम्पुरान 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म सलमान खान की एक्शन ड्रामा सिकंदर के साथ बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेगी, जो 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में पृथ्वीराज सुकुमारन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों फिल्मों के बीच कोई कंपटीशन नहीं है साथ ही उन्होंने सिकंदर की सफलता की कामना भी की। पृथ्वीराज ने कहा, सलमान खान देश के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं और दोनों फिल्मों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह एक ब्लॉकबस्टर बनेगी। उन्होंने कहा, अगर आप सुबह 11 बजे एल2-एम्पुरान और दोपहर 1 बजे सिकंदर देखते हैं तो मुझे कोई शिकायत नहीं होगी। सिकंदर का निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है। वहीं, 'एल2- एम्पुरान' लूसिफर का दूसरा भाग है।

ESI अस्पताल में डाक्टरों की कमी अल्ट्रासाउंड के लिए लम्बा इंतजार

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित ईएसआई अस्पताल में श्रमिकों को अल्ट्रासाउंड, एमआरआई व सीटी स्केन के लिए दी जा रही लम्बी तारीखों पर नोएडा के उद्यमियों की संस्था एनईए ने चिंता जताई है।

नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन एंव ईएसआईसी मॉडल अस्पताल के डायरेक्टर (मेडिकल) डा0 संगीता माथुर, डिप्टी डायरेक्टर डा. महाजन के साथ सैक्टर-24,नौएडा स्थित कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में एनईए कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन तथा वरि. उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा ने ई.एस.आई. अस्पताल में सुविधाओं में सुधार के लिए डा संगीता माथुर एंव डा. महाजन की सराहना करते हुए उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एंव उनके आश्रितों को ईएसआईसी अस्पताल तथा डिस्पेंसरियों में आ रही कुछ समस्याओं जैसे अस्पताल में मरीजों को अल्ट्रासाउंड,एम.आर.आई, सी.टी.स्केन, आपरेशन करने हेतु लंबा समय दिया जानाआदि से अवगत कराया। अस्पताल में किडाक्टरों की कमी के कारण श्रमिकों को डॉक्टर से परामर्श लेने एंव दवाई लेने के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ता है। जब कोई मरीज अस्पताल में ईलाज कराता है उसके बिल के भुगतान में काफी समय लगता है।

समस्याओं को सुनने के पश्चात् डायरेक्टर (मेडिकल) डा. सुनीता माथुर ने बताया कि नोएडा में इएसआईसी मेडीकल कालेज और जिले में मेडिकल यूनिवर्सिटी बनाई जा रही है। मेडीकल कालेज तथा मेडिकल युनिवर्सिटी बनने से योग्य चिकित्सक की कमी दूर होगी। प्रतिनिधिमण्डल में नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के वरि. उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, सचिव विरेन्द्र नरूला, मौ0 असफाक, शामिल थे।

शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई अलविदा जुमे की नमाज

जनपद की 241 मस्जिदों के आसपास थी कड़ी सुरक्षा

नोएडा (चेतना मंच)। रमजान के आखिरी शुक्रवार को अलविदा की नमाज शांतिपूर्वक अदा की गई। लाखों मुसलमानों

ने मस्जिदों में एकत्रित होकर इस विशेष अवसर पर नमाज अदा की, जो रमजान के महीने का समापन और आगामी ईद की तैयारियों की शुरुआत मानी जाती है।

नमाज में पूरे जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए थे, ताकि हर किसी को सुरक्षित रूप से नमाज अदा करने का अवसर मिल सके।

इस दिन को लेकर मुसलमानों के बीच विशेष धार्मिक उत्साह था। अलविदा की नमाज को लेकर धार्मिक नेताओं ने एकता, शांति और भाईचारे का संदेश दिया था। उन्होंने इस मौके पर सभी समुदायों से अपील की कि हम सभी मिलकर समाज में शांति और समृद्धि के लिए काम करें।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था गौतमबुद्धनगर शिवहरी मीना व अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय गौतमबुद्धनगर अजय कुमार के पर्यवेक्षण में अलविदा जुमा को सकुशल सम्पन्न कराई गई। नमाज को शांतिपूर्व कराने के लिए जनपद की लगभग 241 मस्जिदों व 28 हॉट स्पॉट को चिन्हित करते हुये संभावित भीड़ के दृष्टिगत सभी जगहो पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की डयूटी लगाई गई थी।

गौतमबुद्धनगर में अलविदा जुमा की नमाज को देखते हुए 7 डीसीपी, 3 एडीसीपी, 13 एसीपी, 55 इंस्पेक्टर, 712 एसआई, 65 महिला एसआई, आरक्षी 1635, महिला आरक्षी 427 नियुक्त किया गया है एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए 6 टीआई, 35 टीएसआई, 160 मुख्य आरक्षी तथा 200 आरक्षी नियुक्त किये गये थे।

पुलिस द्वारा 28 संवेदनशील/हॉटस्पाट स्थानों को चिन्हित करते हुए वहां पर अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी बल की 2 कम्पनी को तैनात किया गया तथा सिविल वर्दी में भी पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया।

पंजाब में किसानों पर बर्बरता का विरोध

नोएडा (चेतना मंच)। पंजाब में किसानों के साथ हुई बर्बरता के विरोध में भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र यादव के निर्देश पर प्रदेश प्रवक्ता अशोक कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन बचत अधिकारी सलभ राठी को सौंपा।

इस मौके पर अशोक कुमार ने कहा कि एसकेएम की राष्ट्रीय समन्वय समिति ने पंजाब में किसानों के विरोध पर पुलिस दमन के खिलाफ पूरे भारत के जिलों में विरोध प्रदर्शन करने के लिए आह्वान किया है। पंजाब की भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के निर्देश पर, पंजाब पुलिस ने जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवण सिंह पंधेर सहित 350 किसान नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। पुलिस ने खनौरी और शंभू सीमाओं पर आंदोलनकारी किसानों के तंबू और मंचों को बुलडोजर से गिरा दिया था और ट्रैक्टर ट्रेलरों, ट्रॉलियों और अन्य उपकरणों को जबरदस्ती हटा दिया था। खनौरी और शम्भू की पंजाब की सीमाएं आंदोलनकारी किसानों द्वारा नहीं बल्कि केंद्र सरकार के आदेश पर हरियाणा के पुलिस और प्रशासन द्वारा बंद की गई थीं।

पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने 16 लाख करोड़ रुपये के कॉरपोरेट कर्ज माफ किए हैं, लेकिन किसानों का एक भी रुपया कर्ज माफ नहीं किया। इस मौके पर ऋषि कुमार ,सुरेंद्र वशिष्ठ,विष्णु तिवारी,विपुल ठाकुर आदि लोग मौजूद थे।

करणी सेना ने सांसद रामजी लाल का पुतला फूंका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। राज्यसभा में सपा सांसद रामजीलाल सुमन के वीर राणा सांगा को लेकर दिये गये बयान के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना ने सपा सांसद का पुतला फूंका।

सूरजपुर कलेक्ट्रेट पर डीएम को राजपूत करणी सेना ने रामजीलाल सुमन के विवादित बयान पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। इस दौरान प्रदेश के प्रवक्ता विपिन सिंह सूर्यवंशी पूर्वी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ठाकुर करण सिंह जिला अध्यक्ष दीपक ठाकुर नोएडा महानगर अध्यक्ष ठाकुर संग्राम सिंह चौहान लोकेंद्र सिंह पश्चिम प्रदेश प्रवक्ता मौजूद रहे सूरज परिहार आदित्य चौहान विवेक चौहान आकाश चौहान मोहित चौहान राहुल चौहान सुशील राणा आकाश नेताजी राहुल चौहान रमन चौहान आकाश भदोरिया विपिन जाटव मुकेश पंडित अविनाश शर्मा मोनू शर्मा मौजूद रहे।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™

ISO 9001:2008

PROPERTIES AVAILABLEFORSALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US : +919810441077, +919710441077

Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1 Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

ग्रेटर नोएडा में भारी पानी के बिलों को लेकर नाराजगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। डीडी आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी से मिला और पानी के बिलों में हो रही प्रत्येक वर्ष 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी को रोकने के लिए ज्ञापन दिया।

शहर में पानी के बिल बहुत अधिक आ रहे हैं जिसे ग्रेटर नोएडावासी देने में असमर्थताा जता रहे हैं। जबकि ग्रेटर नोएडा के पड़ोसी शहरों में पानी के बिल बहुत कम है। अधिकारियों को इस ज्ञापन के माध्यम से पानी के बिलों में हो रही बढ़ोतरी तुरंत रोकने के लिए कहा गया है। यदि पानी के बिलों को नहीं रोका गया तो शहर के सभी सामाजिक संगठन सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करेंगे।

इस अवसर पर डीडी आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एन पी सिंह, महासचिव शेर सिंह भाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईलम सिंह नागर, उपाध्यक्ष जितेंद्र भाटी, सलाहकार सतबीर मुखिया, सचिव संजय जयसवाल, श्रीमती ममता तिवारी, गजेंद्र सिंह आरडब्लूए महा सचिव गामा टू, यशपाल नागर, जयचंद प्रधान, अनिल चौधरी आदि लोग उपस्थित थे।

'प्रतिबंधित कीटनाशकों का इस्तेमाल न करें कृषक'

प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल करने पर होगा कड़ा एक्शन

गौतमबुद्धनगर(सूवि.)। जनपद में कीटनाशक विक्रेताओं के यहां प्रतिबंधित कृषि रक्षा रसायनों की अगर बिक्री होती मिली तो विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

गौतमबुद्धनगर के जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि फसलों में कृषि रक्षा रसायनों के सुरक्षित उपयोग के लिए रसायनों का प्रयोग करते समय प्रतिबंधित रसायनों का ध्यान रखें, जिससे रसायनों का मिट्टी मनुष्यों व जानवरों पर कोई दुष्प्रभाव न पडे।

उन्होंने भारत सरकार द्वारा प्रतिबन्धित रसायनों का फसलवार विवरण देते हुए कहा है कि इसका इस्तेमाल घातक है।

उन्होंने बताया कि कीटनाशक **नुवान :** समस्त फसलों में हानिकारक है। इसके साथ ही **आक्सीफ्लोरफेन:** आलू एवं मूंगफल, **मैलाथियान :** ज्वार, मटर, सोयाबीन, अरंडी, सुरजमुखी, भिंडी, बैंगन, फूलगोभी, मूली, शलजम, टमाटर, आम तथा अंगूर, **मोनोक्रोटोफॉस :** सब्जियों पर, **क्लोरोपायरीफॉस :** बेर सिट्रस पर, **डाईमेथोऐट :** डन फलों एवं सब्जियों पर तथा **मैकोजेब :** ज्वार, अमरूद, टैपिओका पर प्रतिबन्धित है।

उन्होंने जनपद के समस्त कीटनाशी विक्रताओं को यह भी निर्देशित किया कि केवल उन्हीं कम्पनियों के कीटनाशकों का विक्रय कृषकों को किया जाये, जिनकी प्रविष्टि लाईसेंस पर कराये गये हैं।